संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 15
पृष्ठ 8
मंगलवार
30 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- करवा चौथ पर ये खास जूड़ा स्टाइल्स... | विचार- किसी उत्सव के लायक नहीं है... | खेल- कभी कोहली ने छक्के जड़कर पलटा...

भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए रोडमैप तैयार करे भारतीय तटरक्षक : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युद्धों के बदलते स्वरूप और इनमें नयी–नयी प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल का उल्लेख करते हुए भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) से ऐसा भविष्योन्मुखी रोडमैप विकसित करने को कहा है जो नई चुनौतियों का पूर्वानुमान लगा सके, अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत कर सके और रणनीतियों के अनुकूल हो। श्री सिंह ने सोमवार को यहां भारतीय तटरक्षक के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अब युद्ध महीनों में नहीं, बल्कि घंटों और सेकंडों में मापा जाता है, क्योंकि उपग्रह, ड्रोन और सेंसर संघर्ष की प्रकृति को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तैयारी, अनुकूलनशीलता और त्वरित प्रतिक्रिया बल के दृष्टिकोण की आधारशिला होनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत का मार्ग समृद्धि और सुरक्षा के दो स्तंभों पर टिका है। उन्होंने आईसीजी के आदर्श वाक्य, 'वयं रक्षामः' यानी हम रक्षा करते हैं का उल्लेख करते हुए इसे केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक प्रतिज्ञा बताया। उन्होंने कहा, ष्यह प्रतिज्ञा, जो प्रत्येक आईसीजी कर्मी में निहित है, यह सुनिश्चित करेगी कि हम आने वाली पीढ़ियों को एक मजबूत, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत सौंपें।ष श्री सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि समुद्री खतरे तेज़ी से तकनीक–संचालित और बहुआयामी होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्तस्करी या समुद्री डकैती के जो तरीके पहले आसानी से समझ में आते थे, वे अब जीपीएस स्पूफिंग, रिमोट–नियंत्रित नावों, एन्क्रिप्टेड संचार, ड्रोन, सैटेलाइट फ़ोन और यहाँ तक कि डार्क वेब पर चलने वाले नेटवर्क का इस्तेमाल करके परिष्कृत गतिविधियों में बदल गए हैं।ष उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि आतंकवादी संगठन अपनी गतिविधियों की योजना बनाने के लिए डिजिटल मैपिंग और रीयल–टाइम इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, पारंपरिक तरीके अब पर्याप्त नहीं हैं, हमें अपने समुद्री सुरक्षा ढाँचे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग–आधारित निगरानी, ड्रोन, साइबर रक्षा प्रणाली और स्वचालित प्रतिक्रिया तंत्र को एकीकृत करके अपराधियों और विरोधियों से आगे रहना होगा। रक्षा मंत्री ने आगाह किया कि साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अब काल्पनिक खतरे नहीं, बल्कि वर्तमान वास्तविकताएं हैं। उन्होंने कहा, कोई देश मिसाइलों से नहीं, बल्कि हैकिंग, साइबर हमलों और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के ज़रिए हमारी प्रणालियों को पंगु बनाने की कोशिश कर सकता है। आईसीजी को ऐसे खतरों से बचाव के लिए अपने प्रशिक्षण और उपकरणों को निरंतर उन्नत करते हुए, अनुकूलन करना होगा। जवाबी कार्रवाई के समय को सेकंडों में कम करने और हर समय तत्परता सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित निगरानी नेटवर्क और एआई–सक्षम प्रणालियां आवश्यक हैं।

सीएम योगी ने कैंसर पीड़ित को भर्ती कराया

जनता दर्शन में आई बुजुर्ग महिला की सुनी फरियाद

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दरियादिली एक बार फिर देखने को मिली। जनता दरबार में एक बुजुर्ग महिला की फरियाद सुनकर सीएम योगी भावुक हो गए। महिला ने बताया कि उसका बेटा कैंसर से पीड़ित है और वो पैसे के आभाव में इलाज नहीं हो पा रहा है। महिला जिस तरीके से बिलख–बिलख कर अपना दर्द बता रही थी, वो सुन सीएम योगी का भी कलेजा पिघल गया। उन्होंने तुरंत मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने का आदेश दिया। लखनऊ में सोमवार को सीएम योगी का जनता दरबार लगा था। फरियादी अपनी–अपनी समस्या लेकर जनता दरबार में आए थे। मुख्यमंत्री ने एक–एक कर सभी फरियादी से मुलाकात की, उनके प्रार्थना पत्र लिए और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मगर इस दौरान एक मां की फरियाद सुन वहां मौजूद सभी लोग, यहां तक कि सीएम योगी भी भावुक हो गए। कानपुर की एक गरीब मां, जिनके लिए शारदीय नवरात्रि में आज का दिन उम्मीद की किरण लेकर आया। कानपुर के रायपुरवा से आईं 63–64 वर्षीय एक बुजुर्ग मां ने मुख्यमंत्री के सामने अपना दर्द बयां किया। उनकी आंखों में आंसू और दिल में एक ही उम्मीद थी कि उनके जवान बेटे को कैंसर से बचाया जाए। सीएम योगी के सामने रोते–बिलखते महिला ने कहा, महाराज, मेरे बेटे को कैंसर है। हम गरीब हैं, इलाज का खर्च नहीं उठा सकते। हमारे पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। कृपया मेरे बेटे को नई जिंदगी दे दीजिए। उनकी यह बात सुनकर मुख्यमंत्री योगी का दिल पसीज गया। मुख्यमंत्री ने बिना वक्त गवाए तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मां के बेटे को तुरंत कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट भेजा जाए और इलाज शुरू की जाए। सरकारी एंबुलेंस से मरीज को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी जांच और इलाज शुरू हो गया।

भव्य रूप से छठ पर्व मनाने के लिए यमुना के किनारे बनाए जाएंगे अस्थायी घाट : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार छठ पूजा के भव्य आयोजन के लिए यमुना नदी के दोनों किनारों पर अस्थायी घाट बनाने सहित व्यापक व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में छठ पूजा योजनाबद्ध तरीके से ऐतिहासिक होगी और पूर्वांचली लोगों को बिना किसी बाधा के त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, "हमने यमुना के दोनों किनारों पर अस्थायी घाटों पर भव्य छठ पूजा की योजना बनाई है और सफाई की उचित व्यवस्था

सुनिश्चित कर रहे हैं।" गुप्ता ने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी और किसी भी तरफ से कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय राजधानी में भव्य छठ पूजा होगी। महामारी के दौरान यमुना तट पर छठ पूजा का आयोजन रोक दिया गया था। बाद में, अदालती आदेशों के कारण प्रतिबंध जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोग छठ पूजा करते हैं। सूर्य की उपासना के इस महापर्व में व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं और कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यमुना नदी के तट पर पूजा करने संबंधी रोक के मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में छठ पर्व के लिए दिल्ली सरकार ने उद्यानों और सार्वजनिक स्थानों पर सैकड़ों अस्थायी कुंड बनाए थे।

करूर भगदड़ की जांच करेगा एनडीए का 8 सदस्यीय दल, हेमा मालिनी बनीं संयोजक

नई दिल्ली, एजेंसी। एनडीए नेताओं का आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तमिलनाडु के करूर में टीवीके पार्टी की रैली के दौरान हुई भगदड़ में हुई जानमाल की हानि की परिस्थितियों की जांच के लिए तमिलनाडु के करूर का दौरा करेगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है, जिसमें भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या और ब्रज लाल, अपराजिता सारंगी, रेखा शर्मा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के पुट्टा महेश कुमार शामिल हैं। भाजपा सांसद हेमा मालिनी इस समिति की संयोजक हैं। शनिवार को हुई इस दुखद भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है, जिनमें 18 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि टीम प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेगी और जमीनी स्थिति का आकलन करने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। नड्डा ने भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इससे पहले, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन और तमिलनाडु भाजपा प्रमुख नैनार नागेंथ्रन के साथ करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री ने करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का भी दौरा किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि करूर भगदड़ के मद्देनजर, राजनीतिक दलों और सार्वजनिक संगठनों को भविष्य में सार्वजनिक कार्यक्रमों को जिम्मेदारी से आयोजित करने के नियम बनाने चाहिए।

समृद्ध, मजबूत और समावेशी राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे अधिकारी : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अधिकारियों से कहा है कि वे लगन और निष्ठा के साथ कार्य कर समृद्ध, मजबूत और समावेशी राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारी ईमानदार प्रयासों के माध्यम से यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि भारत विश्व के समक्ष शक्ति और प्रगति के आदर्श के रूप में स्थापित हो। भारतीय सांख्यिकी सेवा, भारतीय कौशल विकास सेवा और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से भेंट की।राष्ट्रपति ने भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ठोस नीति निर्माण और कार्यान्वयन सटीक सांख्यिकीय विश्लेषण पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि आंकड़ों पर आधारित दुनिया में सांख्यिकी की प्रासंगिकता बहुत बढ़ गई है। उन्होंने आधिकारिक आंकड़ों के संकलन और विश्लेषण में सांख्यिकी अधिकारियों के रूप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनके कार्य में विशेषज्ञता का अधिक महत्व है जिसका उपयोग देश की बढ़ती आंकड़ों और सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जाता है। राष्ट्रपति ने भारतीय कौशल विकास सेवा (आईएसडीएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कौशल और ज्ञान किसी भी राष्ट्र के आर्थिक विकास तथा सामाजिक प्रगति के सच्चे इंजन हैं। उच्च कुशल कार्यबल वाले देश वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होते हैं। जैसे–जैसे भारत प्रौद्योगिकी–संचालित विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है यह आवश्यक है कि हमारे युवा उन्नत तकनीकी कौशल को अपनाएं । उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा आईएसडीएस अधिकारी विशिष्ट कौशल प्रशासकों के रूप में सुदृढ़ और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इंजीनियर किसी भी देश की तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सीपीडब्ल्यूडी जैसे संगठनों से इन पहलों के लिए

राहुल गांधी के खिलाफ बयान देने के लिए भाजपा नेता पर मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलिस ने भाजपा नेता प्रिंटू महादेवन के खिलाफ टेलीविजन बहस के दौरान उनके उस कथित बयान के लिये सोमवार को मामला दर्ज किया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर गोलियां चलाई जाएंगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सचिव श्रीकुमार सी.सी. की शिकायत के आधार पर पेरामंगलम पुलिस ने यह मामला दर्ज किया। एबीवीपी के पूर्व नेता महादेवन ने 26 सितंबर को एक मलयालम समाचार चौनल पर एक बहस के दौरान बांग्लादेश और नेपाल में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा करते हुए यह टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि भारत में इस तरह के विरोध प्रदर्शन संभव नहीं हैं, क्योंकि यहां के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राहुल गांधी की ऐसी कोई इच्छा है, तो "गोली उनके सीने में दाग दी जाएगी।"

प्राथमिकी में भारतीय न्याय

बरेली बवाल का नेता नदीम खान गिरफ्तार

मौलाना के करीबी के होटल और दो बरातघर सील

शाहजहांपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बरेली हिंसा के दूसरे मास्टरमाइंड को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान नदीम के रूप में हुई है, जो स्थानीय मौलवी और इत्तेहाद–ए–मिल्लत काउंसिल के प्रमुख तौकीर रज़ा खान का करीबी सहयोगी है। पुलिस हिंसा भड़कने के बाद से ही नदीम की तलाश कर रही थी। झड़प शुरू होने के बाद से ही वह फरार था। पुलिस के अनुसार, नदीम ने भीड़ जुटाने के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और लोगों को विरोध प्रदर्शन के लिए इकट्ठा होने के लिए बुलाया। इसके अलावा, उसका फोन भी बरामद कर लिया गया है, जिसमें कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने बताया कि बरेली में हिंसा भड़काने के बाद नदीम उत्तर प्रदेश से भागने की योजना बना रहा था। हालाँकि, पुलिस ने उसे भागने से पहले ही शाहजहाँपुर जिले में गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, नदीम को बरेली दंगों के मास्टरमाइंड तौकीर रज़ा का दाहिना हाथ माना जाता है। यह भी पता चला कि नदीम ने कभी तौकीर रज़ा के आदेशों की अवहेलना नहीं की। नदीम एक हफ़्ते से बरेली में हिंसा की योजना बना रहा था। श्आई लव मुहम्मदश अभियान के समर्थन में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हालिया हिंसा के सिलसिले में स्थानीय मौलवी तौकीर रज़ा खान समेत कुल 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रज़ा को बरेली में हुए एक हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद गिरफ्तार किया गया था, जहाँ शुक्रवार की नमाज के बाद कोतवाली इलाके में एक मस्जिद के बाहर 'आई लव मुहम्मद' के पोस्टर लिए एक बड़ी भीड़ और पुलिस के बीच झड़प हो गई थी। भीड़ कथित तौर पर इत्तेहाद–ए–मिल्लत काउंसिल के संस्थापक रज़ा द्वारा प्रस्तावित एक प्रदर्शन को रद्द किए जाने से नाराज़ थी, जिन्होंने दावा किया था कि अधिकारियों ने इसकी अनुमति नहीं दी थी।

पीएम मोदी ने भव्य समारोह में किया उद्घाटन, बोले–

दिल्ली भाजपा की यात्रा में नया पड़ाव है पार्टी का नया प्रदेश कार्यालय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा ने अपने संगठनात्मक सफ़र में एक नया अध्याय जोड़ते हुए आज राष्ट्रीय राजधानी में अपने भव्य नए कार्यालय का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित इस भवन का लोकार्पण किया और इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को प्रेरक संदेश भी दिया। नवरात्र की सप्तमी के दिन हुए इस कार्यक्रम ने न केवल भाजपा की दिल्ली इकाई को नई ऊर्जा प्रदान की, बल्कि संगठनात्मक मजबूती का भी संकेत दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का हर कदम "सेवा, संगठन और समर्पण" की भावना को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि नया कार्यालय केवल ईंट–पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि पार्टी के विचार और कार्यकर्ताओं की तपस्या का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं और नेताओं को प्रेरित करते हुए आह्वान किया कि इस भवन को जनता की सेवा और संगठनात्मक एकता का केंद्र बनाया जाए। हम आपको बता दें कि इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्रीगण, सांसद, विधायक, पार्षद और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इसे "ऐतिहासिक क्षण" बताते हुए कहा कि संगठन का यह सपना लंबे समय से अधूरा था, जो अब प्रधानमंत्री मोदी और नेतृत्व की दूरदृष्टि से साकार हुआ है। वीरेंद्र सचदेवा ने इस अवसर पर भाजपा की दिल्ली इकाई की यात्रा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का पहला कार्यालय अजमेरी गेट पर था, फिर रकाबगंज रोड पर स्थानांतरित हुआ और लगभग 35 वर्षों तक पंडित पंत मार्ग से संगठन संचालित होता रहा। अब यह यात्रा अपने नए मुकाम पर पहुँच गई है। उन्होंने कहा, "संघर्ष और समर्पण से भरी यह यात्रा आज एक उल्लेखनीय अध्याय के रूप में दर्ज हो रही है।" दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय की विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि यह 825 वर्ग मीटर भूखंड पर निर्मित 30,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में फैला है। पाँच मंज़िला इस भवन में दो

भूमिगत तल (बेसमेंट) बनाए गए हैं, जहाँ 50 वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है। भवन के बाहरी हिस्से को दक्षिण भारतीय स्थापत्य शैली में गढ़ा गया है, जिसमें विशाल स्तंभ और आकर्षक मुखौटा इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं। भवन को पूरी तरह पर्यावरण–अनुकूल और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। भूतल पर स्वागत कक्ष, प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल और कैंटीन हैं। प्रथम तल पर 300 लोगों की क्षमता वाला अत्याधुनिक सभागार बनाया गया है। द्वितीय और तृतीय तल पर संगठन के विभिन्न प्रकोष्ठों, प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए कार्यालय कक्ष हैं। शीर्ष तल को प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री और दिल्ली के प्रभारी नेताओं के लिए आरक्षित रखा गया है। इसके अतिरिक्त सांसदों और वरिष्ठ नेताओं के लिए भी यहाँ विशेष कक्ष उपलब्ध कराए गए हैं। हम आपको बता दें कि करीब 2.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह भवन पुराने पंडित पंत मार्ग स्थित कार्यालय की तुलना में कहीं अधिक विशाल और आधुनिक है।

नए कार्यालय का शिलान्यास 9 जून 2023 को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया था। हम आपको यह भी बता दें कि राजधानी के सभी 14 संगठनात्मक ज़िलों में अब भाजपा के अपने कार्यालय हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि भाजपा जमीनी स्तर पर अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत कर रही है।

घर से कूड़ा लेने के लिए 1533, 1920 पर करें शिकायत

प्रयागराज। शहर के घरों से कूड़ा लेने एजेंसी के प्रतिनिधि नहीं आते हैं तो भवनस्वामी 1533 और 1920 नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। शिकायत के बाद एजेंसी के कर्मचारी घर से कूड़ा लेने आ जाएंगे। सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पांडेय ने बताया कि घर–घर कूड़ा कलेक्शन में सुधार लाने के लिए हेल्प डेस्क शुरू किया गया है। एजेंसी कूड़ा लेने में लापरवाही करती है तो नगर निगम ब्लैकलिस्ट कर देगा। शिकायतें और लगातार हो रही जांच के बाद सहायक नगर आयुक्त के मुताबिक घर–घर कूड़ा लेने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई भी हो रही हैष एजेंसियों पर आर्थिक दंड भी लगाया जा रहा है।

काल्विन अस्पताल को सी आर्म मशीन देने के लिए सांसद से गुहार

प्रयागराज। पार्षदों ने रविवार को फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल से काल्विन अस्पताल को सी आर्म मशीन देने की मांग की। पार्षद शिवसेवक सिंह और आनंद घिल्डियाल सांसद से उनके अंदावा स्थित आवास पर मिले। पार्षदों ने सांसद से कहा कि 17 लाख की मशीन अस्पताल को मिलने से हड्डी के गरीब मरीजों को इलाज में मदद मिलेगी। सांसद ने सांसद निधि से अस्पताल को मशीन देने का आश्वासन दिया। पार्षदों ने बताया कि मशीन खराब होने से मरीजों को लौटाया जा रहा है। बाहर से परीक्षण के लिए मरीज को मोटी रकम का भुगतान करना पड़ता। इसकी वजह से गरीब इलाज नहीं करा पाते।

इंदिरा मैराथन में दौड़ सकते हैं 18 साल के युवा

प्रयागराज। आगामी 19 नवंबर को आयोजित होने वाली 40वीं अखिल्र भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन प्रतियोगिता में 18 साल के धावक–धाविका भी भाग ले सकते हैं। ऑल इंडिया एथलेटिक फेडरेशन से मैराथन में धावकों की उम्र घटाने की मांग की गई है। प्रयागराज में 23 से 25 सितंबर तक आयोजित नॉर्थ जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान इंदिरा मैराथन में धाविका–धाविकाओं की उम्र घटाने का मुद्दा उठा था। मैराथन में धावक–धाविकाओं की लगातार घटती संख्या को देखते हुए बदलाव की योजना बनी। मैराथन आयोजकों की ओर से उम्र घटाने का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन को दिया गया। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन ने यह प्रस्ताव ऑल इंडिया एथलेटिक्स फेडरेशन को भेज दिया है।

अब फेडरेशन से स्वीकृति मिलने का इंतजार है। मैराथन के आयोजक फेडरेशन से स्वीकृति मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं। इंदिरा मैराथन में 21 साल से अधिक उम्र के धावक–धाविका भाग लेते रहे हैं। दोनों वर्ग मिलाकर 500 प्रतिभागी भी मैराथन में भाग लेने नहीं आ रहे हैं। धावक–धाविकाओं की संख्या बढ़ाने के लिए उम्र घटाने की योजना बनी। आयोजकों का दावा है कि उम्र कम होने के बाद मैराथन में धावक–धाविकाओं की भीड़ बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र कुमार ने कहा कि फेडरेशन उम्र घटाने का निर्णय लेगा। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के प्रशिक्षक देवी प्रसाद ने बताया कि उम्र घटने के बाद मैराथन में धावक–धाविकाओं की भीड़ बढ़ेगी।

युवती से डरा धमकाकर 57 हजार की साइबर ठगी

प्रयागराज। करेली के गौसनगर की एक युवती से साइबर अपराधियों ने डरा धमकाकर 57 हजार रुपये की साइबर ठगी कर ली। युवती की तहरीर के अनुसार, उसे अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि उसकी जीमेल आईडी उनके पास आया है। आरोपी ने धमकाया कि मोबाइल पर पोर्न वीडियो देखती हो, उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। डरा धमकाकर मोबाइल पर क्यूआर कोड भेजा। जिस पर युवती ने 57 हजार रुपये भेज दिया। हालांकि बाद में उसे साइबर ठगी होने का पता चला। करेली थाने की पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

एटीएम कार्ड चोरी कर 40 हजार रुपये उड़ाए

प्रयागराज। मम्फोर्डगंज निवासी वीरेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव की एटीएम कार्ड चोरी होने के बाद खाते से 40 हजार रुपये निकालने का मामला सामने आया है। वीरेंद्र प्रसाद की तहरीर पर कैंट थाने की पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है। वीरेंद्र प्रसाद की तहरीर के अनुसार, वह म्योराबाद स्थित एटीएम बूथ पर गए थे। जहां एटीएम मशीन में उनका एटीएम कार्ड फंस गया। काफी प्रयास के बाद एटीएम कार्ड नहीं मिलने पर वीरेंद्र प्रसाद घर लौट आए। इसके बाद उनके एटीएम कार्ड से 40 हजार रुपये निकलने का मैसेज आया। बैंक शाखा जाकर पूछताछ करने पर पता चला कि स्टैनली रोड स्थित एक एटीएम बूथ से रुपये की निकासी की गई है। कैंट थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि एटीएम बूथ के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

शेरवानी लिगेसी में दुर्गापूजा उत्सव: भजन संध्या के बाद आज बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता

प्रयागराज। सुलेमसराय स्थित शेरवानी लिगेसी परिसर में शेरावाली वेलफेयर सोसाइटी एवं शेरवानी लिगेसी परिवार की ओर से आयोजित द्वितीय विशाल दुर्गापूजा महोत्सव का रंगारंग आगाज़ शनिवार को हुआ। माता रानी की प्रतिमा के आगमन के साथ ही पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल बन गया। रात्रि में प्रसिद्ध भजन गायक सुदीप तिवारी एवं उनकी टीम ने भजनों की ऐसी प्रस्तुति दी कि पूरा वातावरण जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर भारतीय वॉलीबॉल टीम के कोच श्री वीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी श्री आर.एस. बेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। अतिथियों ने आयोजन समिति और कालोनीवासियों की पहल की सराहना की। सोमवार (29 सितंबर) को महोत्सव के तहत बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में कॉलोनी और आसपास के दर्जनों बच्चे भाग लेंगे। आयोजन समिति के सदस्यों का कहना है कि इसका उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन देना है। पूरे कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति कर रही है, जिसमें अध्यक्ष केके राव, उपाध्यक्ष आदेश कुमार, प्रभात कुमार राय, प्रो. शैलेन्द्र राय, संध्या सिंह, भवेश राय, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र मिश्रा, सचिव अरविंद केशरवानी सहित अनिल गोयल, अजय सारस्वत, मनोज राठौर, आभा राय, संतोष पांडेय, सुशील कुमार सिंह, शालिनी सारस्वत और कालोनी के समस्त निवासी शामिल हैं।

20 साल में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र का भवन हो गया खंडहर, स्वास्थ्य सेवाएं भी ठप

प्रयागराज। करमा देश की अधिकांश आबादी गांवों में बसती है। गांवों में रहने वाले लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार आदि उपलब्ध कराना सरकार का परम कर्तव्य बनता है। लोग यदि स्वस्थ रहेंगे तो ही समाज को एक नई दिशा दे पाएंगे इसलिए हमारे जीवन में स्वास्थ्य का बहुत महत्व है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय लोगों की मांग पर लगभग बीस वर्ष पहले हथिगन गांव के चंद्रभान का पूरा बैरहना में एक प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र को मंजूरी दी गई। अस्पताल के भवन का निर्माण होने के बाद वहां स्वास्थ्य कर्मचारियों की नियुक्ति की गई और लोगों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिलने लगा।

समय बीता कुछ कर्मचारी कम हुए और धीरे–धीरे उपकेंद्र में डॉक्टर और कर्मचारियों का आना बंद हो गया। इससे हथिगन, चंद्रभान का पूरा, बैरहना, तिवारी का पूरा, उमरी तालुका पुरवा, तेवरिया कला आदि गांव के लोगों को जो स्वास्थ्य सेवा मिल रही थी वो बंद हो गई लेकिन इस पर किसी ने भी गौर नहीं किया और आज उपकेंद्र का भवन भी खंडहर में तब्दील हो गया। बैरहना हथिगन स्थित उपकेंद्र में स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिलने से क्षेत्रीय लोगों में इस बात की खुशी थी कि अब उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। कुछ वर्षों तक सब ठीक ढंग से चलता रहा लेकिन कुछ समय बाद एक एक कर कर्मचारियों ने आना बंद कर दिया और धीरे धीरे उपकेंद्र में ताला लग गया। भवन बंद होने के कारण बरसात में वहां घासें उगने लगीं और जलजमाव होने लगा। धीरे धीरे अस्पताल की चहारदीवारी भी गिर गई तथा भवन क्षतिग्रस्त हो गया। परिसर पूरी तरह खंडहर में बदल गया और घास व झाड़ियों के बीच जहरीले जंतुओं ने वहां डेरा जमा लिया। जिस जगह मरीजों की भीड़ होती थी वहां जाने से भी लोगों को डर लगने लगा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निर्माण स्वास्थ्य उपकेंद्र का भवन गिर जाने के बाद ग्रामीणों द्वारा स्वास्थ्य सेवा बहाल कराने की मांग की गई तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो तीन वर्ष पहले अस्पताल के पास ही एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निर्माण कराया गया। एक कमरे के इस आरोग्य केंद्र में एक महिला स्वास्थ्यकर्मी की नियुक्ति की गई। इस केंद्र से लोगों को यह लाभ हुआ कि उन्हें टीकाकरण सहित बुखार आदि की सामान्य दवाएं उपलब्ध होने लगी। पेयजल व रास्ते की नहीं है सुविधा प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन के साथ ही वहां पेयजल के लिए लगाया गया हैंडपंप भी खराब हो चुका है। आरोग्य मंदिर बनने के बाद वहां पेयजल की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके अलावा मुख्य सड़क से आरोग्य मंदिर तक पहुंचने के लिए रास्ते का निर्माण नहीं हो सका। कच्चा रास्ता होने के कारण बरसात में पानी भर जाने से आवागमन में समस्या होती है जबकि उसी रास्ते पर आरोग्य मंदिर से थोड़ी दूर पर जलनिगम द्वारा घर घर पेयजल सुलभ कराने के लिए पानी की टंकी भी बनाई गई है। लोगों का मानना है कि यदि मुख्य मार्ग से जलनिगम की टंकी तक रास्ता बनवा दिया जाय, एक हैंडपंप की व्यवस्था हो जाय तथा आरोग्य मंदिर के भवन का रखरखाव ठीक ढंग से होने लगे तो लोगों को सुविधा मिल सकती है। स्वास्थ्य उपकेंद्र पुनः चालू करने की मांग हथिगन ग्राम सभा चाका ब्लॉक का गांव है। गांव से ब्लॉक मुख्यालय की दूरी लगभग 14 किलोमीटर है। ऐसी स्थिति में लोगों को सीएचसी चाका पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की मांग है कि यदि इस स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन का पुनर्निर्माण हो जाय और यहां कुशल स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति हो जाय तो क्षेत्र के कई ग्राम पंचायतों में रहने वाले लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें दूर हो जाएंगी और आम जनमानस को पहले की तरह ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो जाएंगी। क्षेत्र के लोगों ने इस बात पर भी जोर दिया कि स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन का निर्माण कर यदि इसे एक अस्पताल का रूप दे दिया जाय तो इससे कई गांव के लोग लाभान्वित होंगे। बोले जिम्मेदार विकास खंड चाका के हथिगन गांव में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। भवन जर्जर अवस्था में है। एएनएम द्वारा गांव में टीकाकरण सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीणों की मांग के अनुसार उसे दुबारा शुरू करने के लिए संबंधित अधिकारियों से इस विषय पर गंभीरता से वार्ता की जाएगी जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधा मिल सके। –डॉ अंकित सिंह, अधीक्षक, सीएचसी, चाका

हथिगन गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र बना था जिसका भवन खंडहर बन चुका है। उस क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शासन स्तर पर पूरा प्रयास किया जाएगा और हर स्वास्थ्य केंद्र को चलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी। – अनिल सिंह पटेल, ब्लॉक प्रमुख चाका सरकार आमजनमानस को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य उपकेंद्र हथिगन का बंद हो जाना चिंताजनक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपकेंद्र को दुबारा चालू करने के लिए अधिकारियों से सार्थक वार्ता की जाएगी जिससे लोगों का सुविधाजनक इलाज हो सके। – अमित पाण्डेय, भाजपा मंडल अध्यक्ष चाका सरकार लोगों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है लेकिन यह क्षेत्र के लोगों का दुर्भाग्य है कि हथिगन में बनाया गया स्वास्थ्य उपकेंद्र बदहाली का शिकार हो चुका है। सरकार को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। –दीपक द्विवेदी, पूर्व प्रधान, हथिगन गांवों में रहने वाले लोगों को बच्चों के टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण एवं दवाएं, खांसी, बुखार की दवा जैसी मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना अति आवश्यक है। इसके लिए सरकार को हथिगन उपकेंद्र के निर्माण के साथ अन्य गांवों में भी प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाने के लिए सार्थक पहल करना चाहिए। –नीलम पथिक, अध्यक्ष प्रधान संघ, चाका हथिगन गांव के बैरहना मजरे में खुलने वाला प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र शुरू से ही अव्यवस्था का शिकार रहा और धीरे धीरे ऐसा समय आया कि वह पूरी तरह खंडहर बन गया। क्षेत्र के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने के लिए दूर जाना पड़ रहा है। इसे फिर से चालू करना बहुत जरूरी है। –हरिप्रताप सिंह, किसान, बैरहना जिस समय हथिगन के बैरहना में स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण हुआ तो हमलोगों को इस बात की खुशी हुई कि अब मरीजों को दवा के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन लोगों की आशा के अनुरूप कार्य नहीं हो सका और अस्पताल विभागीय लापरवाही का शिकार हो गया। –मनोज कुमार पाण्डेय, शिक्षक हथिगन बैरहना जन जन तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए यह जरूरी है कि लोगों को इलाज के लिए सस्ती और अच्छी सुविधा मिल सके। हथिगन व करछना व चाका सीएचसी से दूर है इसलिए इस क्षेत्र में एक अस्पताल होना जरूरी है जिससे लोगों को इलाज की सुविधा मिल सके। – शांतनु तिवारी शानू, गायक, तिवारी का पूरा ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को चिकित्सा सुविधा का ध्यान रखते हथिगन गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र का बनना बहुत ही सुखद संयोग रहा लेकिन केंद्र का न चलना और बंद हो जाना क्षेत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि इस उपकेंद्र को दुबारा चालू करें। –मार्कण्डेय तिवारी भानू, गायक तिवारी का पूरा हथिगन के बैरहना मजरे में किस प्रयोजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र खोला गया और फिर किन परिस्थितियों में बंद कर दिया गया यह जांच का विषय है। सरकार से निवेदन है कि इसकी विभागीय जांच कराई जाय तथा स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन का पुनर्निर्माण कर उसे चालू किया जाए। –डॉ अमरनाथ सिंह, चिकित्सक जिस तरह से लोगों को शिक्षा देने के लिए लगभग हर गांव में प्राथमिक विद्यालय बनाये गए हैं उसी तरह लोगों को स्वास्थ्य के लिए प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य केंद्र भी बनाये जाने चाहिए जिससे गांवों में बस रही देश की एक बड़ी आबादी को शिक्षा के साथ स्वास्थ्य सुविधा भी मिल सके। अनुराग जायसवाल, फार्मासिस्ट भारतीय रेलवे प्रयागराज इलाकों में निवास कर रही जनता को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना सरकार का प्रमुख कर्तव्य होना चाहिए। आपके समाचार पत्र के माध्यम से सरकार व विभागीय अधिकारियों से निवेदन है कि हथिगन के स्वास्थ्य उपकेंद्र को पुनः चालू करने के साथ ही ब्लॉक स्तर पर अन्य गांवों में भी इस तरह के केंद्र खोले जाएं। –विजय कुमार यादव, समाजसेवी

गाजी मियां की दरगाह पर चढ़ावे के पैसों को लेकर दो गुटों में भिड़ंत, दोनों ओर से जमकर चले लाठी-डंडे

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में सैयद सालार मसूद, गाजी मियां की दरगाह पर रविवार को चढ़ावे के पैसों के लिए इंतेजामिया कमेटी के दो गुटों में विवाद हो गया। झगड़ा बढ़ी तो जमकर लाठी–डंडे चले जिसमें एक युवक का सिर फूट गया।

उधर, सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों से कुछ लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। वहीं, मारपीट से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ था।

ये मामला बहरिया थाना क्षेत्र में सिकंदरा कस्बा स्थित गाजी मियां की मजार का है। इंतेज़ाम कार मोहम्मद अकरम का आरोप है कि दूसरे पक्ष के सफदर जावेद अपने को वक्फ बोर्ड का नामित सदस्य बताते हैं। उन्होंने सबको धोखे में रखकर वक्फ बोर्ड में अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है जबकि सैकड़ों वर्ष से वे लोग दरगाह की देखरेख और प्रबंधन करते

चले आ रहे हैं। दोनों पक्ष न्यायालय में गए। न्यायालय ने आदेश दिया कि किसी को दरगाह पर जियारत से नहीं रोक सकते और ताला खोलने का आदेश दिया।

इसके बाद भी विवाद बना रहा तो जिला प्रशासन ने दोनों पक्षों से कहा कि जब तक दोनों पक्ष की सहमति नहीं बनती तब तक गेट का ताला नहीं खोला जाएगा।

इस बीच सफदर जावेद ने सभी पक्षों को मिलाकर गेट का ताला खुलवा दिया और फिर दोनों पक्ष दरगाह में जाने लगे। लेकिन चढ़ावे को सफदर जावेद अपने पास रखवा लेता। इस बीच अकरम पक्ष के लोग पिछले बुधवार को जब दरगाह में गए तो जावेद पक्ष के लोगों ने उन्हें डांटकर भगा दिया था।

रविवार को भी जावेद पक्ष के लोग दरगाह में बैठे थे, ऐसे में अकरम पक्ष के लोग जैसे ही पहुंचे तो कहासुनी होने लगी। इसी बीच जमकर हुई मारपीट में अकरम पक्ष के जीशान का सिर फट गया। दूसरे तरफ से लल्लू को भी चोट लग गई। पुलिस पीएससी के जवान आए तो मारपीट करने वाले दोनों पक्ष के लोग फरार हो चुके थे। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज सिकंदरा बृजेश तिवारी ने एक पक्ष से रियासत अली उर्फ लल्लू और दूसरे पक्ष से मोहम्मद आजम को हिरासत में ले लिया।

यूपी के इस जिले में 28 हजार अपात्र ले रहे किसान सम्मान निधि के रुपए, होगी रिकवरी

प्रयागराज। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत यूपी के प्रयागराज जिले में बड़े पैमाने पर अनियमितता उजागर हुई है। कृषि विभाग की ओर से कराए गए सर्वे में 28 हजार ऐसे दंपति चिन्हित हुए हैं, जो योजना का लाभ अपात्र होने के बावजूद उठा रहे थे। विभाग ने इनकी सूची तैयार कर केंद्र सरकार को भेज दी है। अब अपात्र लाभार्थियों से वसूली की कार्रवाई शुरू होगी। जानकारी के अनुसार जिले में गंगापार और यमुनापार के लगभग 6.23 लाख किसान इस योजना का लाभ ले रहे हैं। नियम के मुताबिक यदि पति–पत्नी दोनों के नाम पर कृषि भूमि है और दोनों खेती करते हैं, तो योजना का लाभ केवल किसी एक को ही मिल सकता है। लेकिन सर्वे में सामने आया कि बड़ी संख्या में दंपति दोनों ही नामों से किश्तें प्राप्त कर रहे थे। अनियमितता तब उजागर हुई जब पीएम किसान सम्मान निधि की किस्तें आधार से लिंक कर सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर की गईं। विभाग ने जब लाभार्थियों की केवाईसी कराई और आधार को राशन कार्ड से मिलान किया, तो पाया कि पति–पत्नी दोनों ही राशन कार्ड में दर्ज हैं और दोनों योजना का लाभ ले रहे हैं।

कृषि उपनिदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि अपात्र किसानों की मार्किंग पूरी कर रिपोर्ट भेज दी गई है। जो भी किसान नियमों का उल्लंघन करते हुए योजना का लाभ उठा चुके हैं, उनसे वसूली कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य वास्तविक और पात्र किसानों को आर्थिक सहायता देना है। इसलिए भविष्य में केवल उन्हीं को लाभ मिलेगा जो नियमों के अनुसार पात्र होंगे।

निवेश के बेहतर विकल्पों की दी जानकारी

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद नॉर्थ क्लब की ओर से रविवार को सिविल लाइंस स्थित एक होटल में निवेश संगोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर मुख्य वक्ता सतीश त्रिपाठी ने वित्तीय स्वतंत्रता और अच्छे निवेश के बारे में जानकारी दी। म्यूचुअल फंड, इक्विटी मार्केट और अन्य सुरक्षित निवेश विकल्पों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सदस्यों को वित्तीय लक्ष्यों को निर्धारित करने और जोखिम के आधार पर संतुलित पोर्टफोलियो बनाने की सलाह दी। शरद प्रकाश अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। स्वागत क्लब के अध्यक्ष उमंग अग्रवाल ने किया। रविंद्र कुमार, संजय लाल, संजीव भार्गव, तरुण जग्गी, शरद जैन, डॉ. नीरज अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, डॉ. अशोक तेहलियानी, अनूप मल्होत्रा, कुलजीत सिंह, आशीष अग्रवाल, दीपक अग्रवाल मौजूद रहे।

कॉल्विन में हृदय रोगियों के लिए वरदान बनी 'स्टेमी केयर यूनिट

प्रयागराज। हृदय रोग के प्रति जागरूकता के लिए सोमवार को 'एक भी धड़कन न चूके थीम पर विश्व हृदय रोग दिवस मनाया जा रहा है। बदलती जीवन शैली से जुड़ी अहम बीमारी हृदय रोग इस समय मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। आंकड़ों के अनुसार एसआरएन अस्पताल की ओपीडी में आने वाला हर छठवां मरीज दिल की बीमारी से पीड़ित रहता है। मंडल के सबसे बड़े एसआरएन अस्पताल के हृदय रोग की ओपीडी में रोज 300 से अधिक मरीज आते हैं। वहीं आईसीयू में महज 19 बेड उपलब्ध हैं। इसलिए हृदय रोगियों को तत्काल इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कॉल्विन अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में स्टेमी केयर यूनिट स्थापित की गयी है, जो मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस यूनिट में पिछले दो माह में इलैक्ट्रो कार्डियोग्राफी (ईसीजी) संग थ्रंबोलिसिस प्रक्रिया अपनाकर 35 मरीजों को जीवन दान मिल चुका है। अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुमन कुमार चौधरी ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से हार्ट अटैक के मरीजों को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए स्टेमी केयर नेटवर्क के तहत यूनिट को स्थापित किया गया है। व्यक्ति को सीने में अचानक से तेज दर्द होने पर यदि वह एक घंटे के अंदर गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंच जाता है तो उसे थ्रंबोलिसिस प्रक्रिया के तहत एक विशेष प्रकार का इंजेक्शन देकर उपचार किया जा सकता है।

उद्योग और शिक्षा जगत के लिए पुरा छात्र अहम

प्रयागराज। ट्रिपलआईटी के पुरा छात्र सम्मेलन में पुरा छात्र एवं डीएसएमएनआर विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने पुरा छात्र, उद्योग और शिक्षा जगत के सहयोग को समाज व कमजोर वर्गों की बेहतरी के लिए महत्वपूर्ण बताया और पूर्व छात्रों से संस्थान से सक्रिय जुड़ाव की अपील की। डॉ. एसबी तनेजा ने एआई, क्वांटम और सेमीकंडक्टर भारत की रक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं। आशुतोष अग्रवाल ने छात्रों को मेहनत, कौशल और समर्पण के साथ मजबूत नेटवर्किंग पर ध्यान देने की सलाह दी। रचित अग्रवाल ने बताया कि पेरिस में उनके अंतिम सेमेस्टर का एक प्रोजेक्ट गूगल ने 50 हजार में खरीदा। माइक्रोसॉफ्ट के अपूर्व ने एआई / एमएल कार्य, टीम्स और कोपायलट प्रोजेक्ट्स और छह पेटेंट की उपलब्धि साझा किया। क्लाइड डिजूजा ने नवाचार में कहानी कहने और इमर्सिव मीडिया की भूमिका बताई।

घर में घुसकर महिला व बच्चों की लाठी-डंडे से पिटाई

प्रयागराज। बाघम्बरी अल्लापुर में रविवार की देर रात पड़ोसी ने पुरानी रंजिश में घर में घुसकर महिला और उसके बेटा व बेटी को लाठी डंडे व लोहे की रॉड से हमला कर लहूलुहान कर दिया। घायल महिला सविता उपाध्याय की तहरीर पर जार्जटाउन थाने की पुलिस ने आरोपी सत्यप्रकाश उपाध्याय, उसकी पत्नी सुमन उपाध्याय और उसके बेटे अमन उपाध्याय के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। सविता उपाध्याय की तहरीर के अनुसार, वह रविवार की रात लगभग साढ़े 11 बजे अपने बेटे हर्षित और बेटी हर्षिता के साथ घर के अंदर बैठी थी। इसी दौरान पड़ोसी सत्यप्रकाश अपनी पत्नी व बेटे के साथ हाथ में लाठी डंडा व लोहे की रॉड लेकर घर में घुस गए। आरोपियों ने पहले गाली गलौज की, फिर उसके बाद हमला बोल दिया। आरोप है कि लाठी व लोहे की रॉड से हमला कर सविता उपाध्याय और उनके बेटे व बेटी को घायल कर दिया। आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच–बचाव कर जान बचाई। थाना प्रभारी संतोष सिंह का कहना है कि नामजद मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

जीपीएस पब्लिक स्कूल में रावण के पुतले का हुआ दहन

–छात्रों ने किया रंग–बिरंगी वेश–भूषा में रामलीला का मंचन

मोरना। मोरना मे भोपा मार्ग स्थित जेपीएस पब्लिक स्कूल में सोमवार को दशहरे का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश के साथ मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम मे बच्चों ने रामलीला का मनोहारी मंचन किया। अंत मे रावण के पुतले का दहन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डायरेक्टर कृष्णकांत शर्मा, प्रबंधक मोहिनी शर्मा तथा अतिथि सार्थक शर्मा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया।

जिसके बाद छात्रों के द्वारा श्रीरामलीला का आयोजन किया गया जिसमे रावण वध की लीला का शानदार मंचन किया गया। कार्यक्रम में छात्र सारांश ने राम, अभिनव ने लक्ष्मण, अनव ने हनुमान, दीपांशु ने रावण तथा अन्य ने अदा विद्यार्थियों ने सैनिकों की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में छात्राओं ने नवदुर्गा पर आधारित गरबा नृत्य प्रस्तुत किया जिसमें उर्वशी, दिव्यांशी, विधि, अवनी, अवनी सहरावत,शिवन्या, अक्ष, उन्नति, अविका, मुद्रिका, स्मृदि,साया, और अवनी चौधरी ने भाग लिया। अंत में श्री राम के स्वरूप द्वारा रावण के पुतले का दहन किया गया। पुतला दूदू कर जल उठा तो उपस्थित छात्र–छात्राओं और शिक्षकों ने जय श्री राम के जयकारों का उदघोष किया। कार्यक्रम का संचालन नेहा शर्मा व सारिका शर्मा ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रधानाचार्य राजन गौड, तनु, स्वाति, ऋषभ, मानवी, वैष्णवी, तोसीफ, संगीता, निशांत शर्मा, संगीता दक्ष, विनीत शर्मा, संगीता मेनवाल, शिवानी, आस्था, मुस्कान, शिवानी शर्मा, सारिका शर्मा, चिंकी शर्मा, सृष्टि, दृष्टि व सपन गर्ग आदि मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में क्रिस्टल स्पा सेंटर पर पुलिस का छापा, मचा हड़कंप, चार गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करने का निर्णय लिया। रेलवे स्टेशन के सामने कमल प्लाजा स्थित क्रिस्टल स्पा सेंटर पर रविवार रात पुलिस ने छापा मारा। सीओ सिटी के निर्देशन में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने छापेमारी की, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों की ओर से लंबे समय से स्पा सेंटर में अवैध गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करने का निर्णय लिया। छापे के दौरान पुलिस ने स्पा सेंटर के मैनेजर समेत चार युवतियों को हिरासत में लिया। पुलिस टीम के पहुंचते ही मौके पर अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने स्पा सेंटर को सील कर दिया और सभी संदिग्धों को सिविल लाइन थाने ले जाकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आगे क्या खुलासे होते हैं, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

स्पेशल टीचर्स, बच्चों एवं अभिभावकों द्वारा नवरात्री स्पेशल में गरबा डांस का आयोजन किया गया

प्रयागराज। अशोकनगर मे भाविनी वेलफेयर सोसाइटी के अंतर्गत संचालितभाविनी डे केयर सेंटर के तत्वाधान मैँ स्पेशल टीचर्स, बच्चों एवं अभिभावकों द्वारा नवरात्री स्पेशल मैँ गरबा डांस का आयोजन किया गया स इस अवसर पर संस्था की

सचिव पूनम सिंह एवं उप सचिव रूचि राय जी ने उपस्थित होकर माँ भाविनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की स संस्था की सचिव पूनम सिंह ने माँ भाविनी से सभी के लिए स्वास्थ्य रहने और उन्नति के लिए दुआ मांगी स देवी गीत के साथ सभी बच्चों और अभिभावकों द्वारा डांडिया भी खेली गईं स सभी स्पेशल बच्चों ने उत्साह पूर्वक कार्यक्रम मैँ प्रतिभाग किया स संस्था की सचिव द्वारा प्रसाद वितरण भी किया गया।

सेंट जेवियर्स में हुए डांडिया रास में बच्चों ने दिखाया उत्साह

भोपा। नवरात्रि के पावन अवसर पर मुज़फ्फरनगर –भोपा मार्ग स्थित सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल में विशेष रूप से डांडिया रास का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम में छोटे बच्चों से लेकर शिक्षकगण तक ने हिस्सा लिया और नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य ने दीप जलाकर की और सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं।

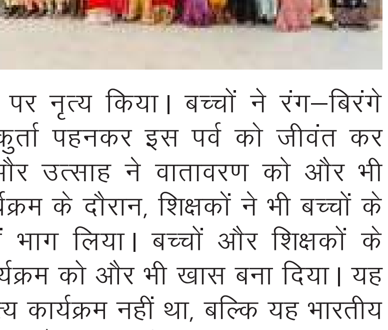

विद्यालय के जूनियर वर्ग के बच्चों ने पारंपरिक गुजराती परिधानों में सजे–धजे होकर डांडिया रास की धुन पर नृत्य किया। बच्चों ने रंग–बिरंगे घाघरे, चणियां और कुर्ता पहनकर इस पर्व को जीवंत कर दिया। उनके जोश और उत्साह ने वातावरण को और भी रंगीन बना दिया। कार्यक्रम के दौरान, शिक्षकों ने भी बच्चों के साथ डांडिया नृत्य में भाग लिया। बच्चों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयास ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। यह आयोजन सिर्फ एक नृत्य कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, एकता और सहयोग का प्रतीक बन गया।

अमर शहीद भगत सिंह जयंती पर एनयूजे ने किया याद, दी श्रद्धांजलि

अमर शहीद भगत सिंह को भारत भारत रत्न दें सरकार : एनयूजे प्रयागराज

हुसैनीवाला समाधी को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करें सरकार: एनयूजे प्रयागराज

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे) प्रयागराज जिला इकाई ने भारत माता के वीर सपूत, आज़ादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद भगत सिंह की जयंती पर रविवार को डायट सभागार, सिविल लाइंस में एक भव्य समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमरेन्द्र नाथ सिंह (पूर्व अध्यक्ष हाईकोर्ट बार एवं पूर्व चेयरमैन बार काउंसिल, उ.प्र. थे जबकि अध्यक्षता सुनील शुक्ला (पूर्व उप निदेशक, दूरदर्शन) ने की।

विशिष्ट अतिथियों में डा हरि प्रकाश यादव (शिक्षक नेता) एवं राजीव मिश्रा (वरिष्ठ समाजसेवक) थे।

वक्ताओं में कुन्दन श्रीवास्तव (जिलाध्यक्ष), पवन दिवेदी (जिला संरक्षक), परवेज आलम (जिला संरक्षक) थे जबकि संचालन का दायित्व उमेश श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने निभाया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सरदार भगत सिंह का बलिदान केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। हमें उनके सपनों के भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए।

मुख्य अतिथी समेत सभी ने अमर शहीद भगत सिंह के तस्वीर पुष्पाजँली अर्पित की। कायॅक्रम मे मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेन्द नाथ सिह पूर्वं अध्यक्ष हाई कोटॅ बार ने सरदार भगत सिंह को नमन करता हुँ शहीदो के कारण ही हम आजाद हुए और हमे बोलने की आजादी मिली। श्री सिंह ने कहाँ मिडिया आजादी के पहले आधारशिला थी आजादी के स्थापित लोकतंत्र के आधारशिला है । कायॅक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार सुनील शुक्ला ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए अमर

शहीद भगत सिंह के देश के प्रति त्याग और बलिदान पर विस्तृत चर्चॉ किया। उन्होंने कहा कि सरदार भगत सिंह का सिद्धान्त सम्राजवादी व्यवस्था तथा साम्प्रदायिक व्यवस्था के खिलाफ सदैव लडे । एनयूजे प्रयागराज की ओर से अमर शहीद भगत सिंह की जयंती का आयोजन मील का पत्थर साबित होगा। मुख्य वक्ता डा हरिप्रकाश यादव शिक्षक नेता ने कहॉ कि सरदार भगत सिंह ने देशभक्ती से हमे सिखना चाहिए । समाजसेवी राजीव मिश्रा ने कहा कि एनयूजे प्रयागराज दूारा महान देशभक्त अमर शहीद भगत सिंह की जयंती का आयोजन सराहनीय कदम है। एनयूजे जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने भारत सरकार से मांग किया कि हुसैनी वाला स्थित अमर शहीद भगत सिंह सुखदेव तथा राजगुरू के समाधी को राष्टीय स्मारक घोषित करे तथा इन शहीदो को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करें । संगठन के संरक्षक पवन द्विवेदी ने कहां कि आज का युवा आजादी के आन्दोलन के विषय मे जानता नही है यह जयंती कार्यक्रम संदेश देगा। संरक्षक परवेज आलम ने कहा कि आज युवाओ को यह जानना आवश्यक है कि आजादी के लिए हमने कितनी शहादते दी है, एनयूजे की ओर से शहीद भगत सिंह की जयंती कायॅक्रम बेहतर संदेश देगा। इस जयती कायॅक्रम में एनयूजे के वरिष्ठ पदाधिकारी अखिलेश कुमार, चित्रांशी यादव, धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, वीरेद्रं कुमार श्रीवास्तव, आयुष श्रीवास्तव, डा सुधाकर पान्डेय, मधुर दरबारी, बी के यादव, राम बाबू, गिरीश पान्डेय, मो शकील खान, जितेद्रं कुमार सिंह, आनन्द श्रीवास्तव, असद कुरैशी, रंजीत निषाद, इरफान खान, शिव पान्डेय, भालचद्रं पान्डेय, मनोज कुमार, गौरव त्रिपाठी, अनिरूद्ध त्रिपाठी, मो नसीम, देवेश श्रीवास्तव, नफीस अहमद, अशरफ अली, शनी केसरी, राम कैलाश कनन्नोजिया, राकेश कुमार पाल, मूलचद्रं भारती, बृजेश केसरवानी, अमित श्रीवास्तव,डीएन यादव, कृष्णमूर्ति यादव, सैय्यद सुहैल, शिव जी मालवीय, विनोद कुमार, सौरभ, आदर्श, शेखर, मुकेश कुमार गुप्ता, कुलदीप सिंह आदि उपस्थित थे।एनयूजे प्रयागराज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन सफल रहा।

समारोह में उपस्थित सभी ने शहीद–ए–आज़म भगत सिंह को नमन करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। वही संगठन की ओर से संरक्षक परवेज आलम ने आए हुए अतिथियो को अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया।

डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय को मिला स्व. माणिक वर्मा स्मृति साहित्य पुरस्कार

अखिल हिंदी साहित्य सभा उ.प्र.का पुरस्कार समारोह हिंदुस्तानी अकादमी में सोल्लास सम्पन्न

प्रयागराज। सुप्रसिद्ध साहित्यिक संस्था अखिल हिंदी साहित्य सभा का वार्षिक सम्मान समारोह रविवार को हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज में सोल्लास सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता संस्था की राष्ट्रीय महासचिव नरगिस अली फातिमा व मुख्य अतिथि मा० न्यायमूर्ति सुधीर नारायण रहे द्य विशिष्ट अतिथि प्रमोद बंसल, लायंस उमेश चंद्र कक्कड़, उपमंडल अध्यक्ष लायंस क्लब संजय खाड़से मंचासीन रहे।अखिल हिंदी साहित्य सभा के उ० प्र० इकाई के प्रदेश अध्यक्ष डॉ बालकृष्ण पांडेय के संचालन में सम्पन्न समारोह में कुल 9 साहित्यकारों को अखिल हिंदी साहित्य सभा का सम्मान एवं पुरस्कार प्रदान किया गया जिसमें प्रयागराज के डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय को स्व० माणिक वर्मा स्मृति साहित्य पुरस्कार ध11000 का चेक,अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह,सम्मान पत्र और मोतीमाला से अभिनंदित किया गया ।ममता आहार छत्तीसगढ़ को रघुनाथ प्रसाद जाजोदिया पुरस्कार ध5000, जगत शर्मा दतिया को स्व.लाजवंती देवी स्मृति साहित्य पुरस्कार उपन्यास विधा का राशि ध5000, डॉ विश्वंभर शुक्ला लखनऊ को जयशंकर प्रसाद कविता का पुरस्कार राशि ध5000, डॉ कन्हैया साहू अमित भाटापारा छत्तीसगढ़ को संत शिरोमणि

कबीर स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार ध5000, श्रद्धा निगम बांदा को मुंशी प्रेमचंद स्मिथ साहित्य पुरस्कार ध5000, श्यामसुंदर पांडेय को नामवर सिंह स्मृति आलोचना पुरस्कार ध5000, डॉ अनिला सिंह चाड़क को महादेवी वर्मा स्मृति साहित्य पुरस्कार ध5000 तथा मोहम्मद शाकिर शेख को नागेंद्र स्मृति साहित्य पुरस्कार ध5000 प्रदान की गई । मुख्य अतिथि मा० न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'जीवन के रंगरूसाहित्यकारों के संग (लेखक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय)' के साथ साहित्यांजलि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'सूखी नदी बहते तटबंध (लेखक डॉ सतीश बब्बा)' का लोकार्पण किया।

समारोह के दूसरे सत्र में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन तथा अखिल हिंदी साहित्य सभा एवं साहित्यांजलि प्रभा मासिक पत्रिका और साहित्यांजलि प्रकाशन समूह प्रयागराज की सहयोगी संस्थाओं द्वारा विभिन्न साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार जया मोहन ने किया और मुख्य अतिथि प्रयाग महिला विद्यापीठ की पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ उषा मिश्रा रहीं । विशिष्ट अतिथि प्रेमा राय, डॉ उपासना पाण्डेय और सम्पदा मिश्रा रहीं। कवि सम्मेलन में सरस्वती वंदना झांसी की सुमन मिश्रा ने किया और संचालन डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने किया। पूरे देश से पधारे कवियों ने देर शाम तक काव्य पाठ करके समारोह में चार चांद लगा दिया। मंचासीन अतिथियों सहित कवि डॉ योगेंद्र मिश्र, डॉ रामलखन चौरसिया, शंभूनाथ श्रीवास्तव, राकेश मालवीय तथा कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, और लेखकों को भी मोती माला,अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह, सम्मान पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया।

भ्रष्टाचार की परतें, मोटी तनखाह लेने के बावजूद भी..!!'

गरीब हो या मालदार पिस्ते सभी हैं..!!

मुजफ्फरनगर। सायद ही कोई विभाग ऐसा हो जो भ्रष्टाचार से मुक्त हो?एक आम आदमी हो या बड़ा पैसे वाला आदमी बगैर दिये कुछ काम नही होता यह सायद हर इंसान जानता है!जबकी सरकार ने विभागों में काम करने वालो को अच्छी खासी तनख्वा दी जाती है उसके बाद भी कुछ महकमें रिश्वत को लेकर ही काम करते हैं!बल्कि हर राजनीतिक दल और हर सरकार दावा करती है कि वह भ्रष्टाचार कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर यह संदेश देने का भी प्रयास करती हैं कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती बरत रही हैं। मगर आज तक किसी भी सरकार के समय ऐसा उल्लेखनीय उदाहरण नहीं मिलता, जिसमें भ्रष्टाचार न हुए हों। हर सरकार के समय छापे पड़ते हैं, भारी मात्रा में नगदी और गैरकानूनी रूप से जमा संपत्ति जब्त की जाती है, कुछ दोषियों को सलाखों के पीछे भी डाला जाता है, मगर उनसे शायद सबक कोई नहीं लेता। यही वजह है कि हर बार भ्रष्टाचार के आंकड़े कुछ बढ़े हुए ही दर्ज होते हैं।आज हमारा देश बरसों से भ्रष्टाचार के मामले में कुछ अग्रणी देशों की कतार में खड़ा नजर आता है!अगर सचमुच सरकारें भ्रष्टाचार मिटाने को लेकर गंभीर होतीं, तो शायद यह सूरत काफी पहले बदल चुकी होती। मगर आज स्थिति यह है कि प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जहां भी हाथ डालता है, वहीं से सैकड़ों करोड़ की नगदी, जेवर, बहुमूल्य वस्तुएं बरामद होती हैं।भ्रष्टाचार किसी भी देश की तरक्की में सबसे बड़ा बाधक है, यह बात हर राजनेता,

अधिकारी जानता है, मगर इसे रोकने की इच्छाशक्ति किसी में नजर नहीं आती। जो रोकने का प्रयास करता है, उसकी जान का खतरा बना रहता है। इस तरह हमारे देश में भ्रष्टाचार अब प्रकट है। अब सरकारें भी भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर अपने विरोधियों को सबक सिखाने की ही कोशिश करती देखी जाती हैं। इस तरह भ्रष्टाचार एक स्वाभाविक प्रक्रिया की तरह स्वीकृत हो चला है। ऐसे में थोड़े–थोड़ समय पर अधिकारियों, नेताओं, व्यापारियों आदि के ठिकानों पर छापे मारने भर से इस नासूर का इलाज संभव नहीं है! इसके लिए दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

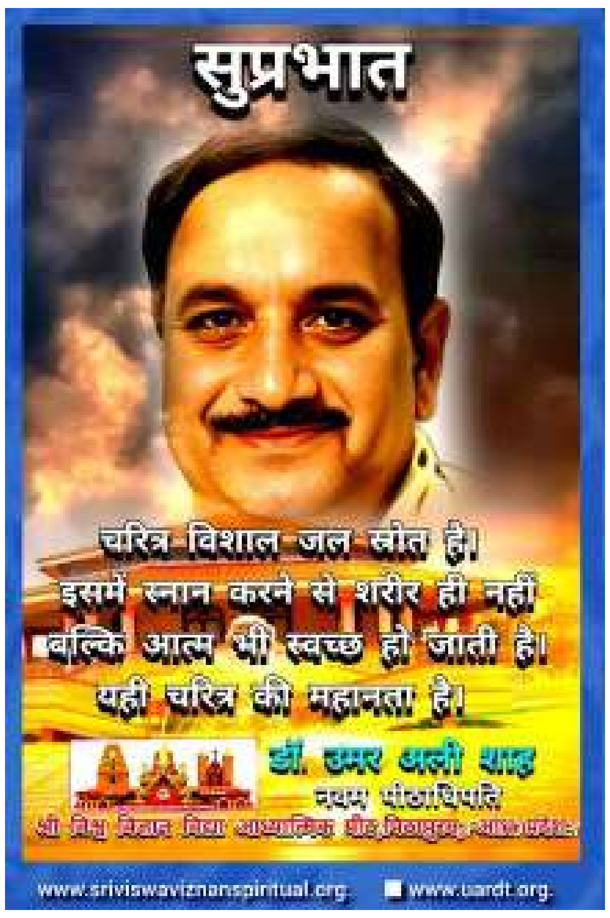

मोगरा उसको कहते

(कुण्डलिया)

आशा निष्ठा साथ में, शुचिता प्रेम प्रतीक।
दिखे सभी इक फूल में, लगता जो रमणीय।
लगता जो रमणीय, मोगरा उसको कहते।
नारी का श्रंगार, हमेशा हँस कर करते।
सुन लो कहें प्रदीप, खुशी की बन प्रत्याशा।
सबके दिल की बनी, मधुर नव जीवन–आशा।।

जिसके अंतस में सदा, खुशबू करे प्रवास।
सुन्दर सफेद फूल वह, लगे सभी को ख़ास।
लगे सभी को ख़ास, कृष्ण से जिसका नाता।
महफ़िल की बन जान, मोगरा सबको भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, जानिएँ हर गुण उसके।
भक्ति भाव के साथ, प्रेम अंतस में जिसके।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सन्तों के आशीर्वचन में संस्कृत, संस्कृति की आध्यात्मिक झलक

प्रयागराज। सेवा पखवाड़ा के तहत आत्म संयम, चारित्रिक उत्कर्ष, राष्ट्रवादी सोच के साथ दार्शनिक दृष्टि के अनुभवपरक साक्षात्कार हेतु सिद्ध सन्तों का आशीर्वाद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम समन्वयक संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक कुमार सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थियों ने सिद्ध सन्तों का सान्निध्य प्राप्त कर उनका आशीर्वाद लिया। सच्चा बाबा आश्रम के सिद्ध सन्त स्वामी दिव्यानंद जी महराज, फलाहारी आश्रम के स्वामी सियाराम जी महाराज के सान्निध्य में विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृत, संस्कृति से संबंधित राष्ट्वादी, समत्ववादी, आध्यात्मिक, दार्शनिक गहन विचारों का

आत्म साक्षात्कार किया। सन्तजनों से गूढ़ चिन्तनपरक विचार विमर्श किया। विद्यार्थियों ने परमार्थ निकेतन आश्रम का आध्यात्मिक अवलोकन किया। संस्कृताचार्य रमेश तिवारी के नेतृत्व में संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा एवं डॉ. पूजा सिंह के साथ ओंकार मिश्र, नितिन त्रिपाठी, अनन्त जी मिश्र, शिखा श्रीवास्तव, खुशी गौतम, प्रोनीता धूरिया, शाम्भवी, संजीत, विनीत, मानसी गौतम, अदिति तिवारी, राजवीर धूरिया इत्यादि विद्यार्थीगणों ने सिद्ध सन्तों से प्रत्यक्ष संवाद और दर्शन कर सामूहिक आशीर्वाद प्राप्त किया।

सूपनखा के कहने पर रावण ने सीता का किया हरण

नैनी, प्रयागराज। अवंतिका रामलीला कमेटी द्वारा रामलीला पार्क नैनी में चल रही रामलीला में शनिवार को सीताहरण की लीला का भव्य मंचन किया गया। रावण की बहन सूपनखा राम से विवाह का प्रस्ताव रखती है। उनके द्वारा इंकार किए जाने पर वह राम के छोटे भाई लक्ष्मण के पास जाती है और क्रोधित होकर

लक्ष्मण उसकी नाक काट देते हैं। नाक कटने के बाद वह इसकी सूचना जंगल में रह रहे खर दूषण को देती है। खर दूषण युद्ध में राम के हाथों मारे जाते हैं। घबराई सूपनखा अपने भाई रावण के पास लंका जाती है और उन्हें राम, लक्ष्मण और सीता के विरुद्ध भड़काती है। क्रोधित रावण सीता का हरण करने के उद्देश्य से अपने मामा मारीच के पास जाता है और उसे स्वर्णमृग बनने पर राजी करता है। मारीच की सहायता से रावण सीता का धोखे से हरण कर लंका ले जाता है। मऊगंज रामलीला मंडल द्वारा सीताहरण की लीला का सफल मंचन किया गया। इस अवसर पर नैनी के एक कान्वेंट स्कूल के छोटे बच्चों द्वारा धार्मिक प्रस्तुति दर्शकों द्वारा खूब सराही गई। समिति के अध्यक्ष बीबी दुबे व महामंत्री अवधेश कुमार पाण्डेय ने अतिथियों को मंच से सम्मानित किया। सम्मानित किए जाने वाले विशिष्ट लोगों में वरिष्ठ पत्रकार जगदम्बा प्रसाद शुक्ल भी शामिल रहे। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष बी बी सिंह, आर के पाण्डेय, कथा वाचक राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, भाजपा सेक्टर संयोजक सुनील साहनी, एडवोकेट आशुतोष शुक्ल, सुनील श्रीवास्तव, राजीव त्यागी, उमेश केसरवानी, आनंद मिश्र सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय.......

सोशल मीडिया का प्रेत!

नयी पीढ़ी सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहती है। उसकी सोच भी वहीं से गढ़ी जाती है जिसके मुताबिक युवा पोस्ट कर रहे हैं, विरोध कर रहे हैं, और राजनीति–शासन के मुद्दे उठा रहे हैं। ये मंच अलग–अलग संस्थाओं से नियंत्रित हैं। पहले अरब स्प्रिंग के विद्रोह हुए। हाल के सालों में श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल के प्रोटेस्ट युवाओं की प्लेटफॉर्म्स पर सक्रियता से उपजे हैं जिनमें प्रमुख पॉडकास्ट, इंस्टाग्राम, रेडिट, टिकटॉक, एक्स और फेसबुक है। लेकिन ऑनलाइन पोस्ट की गई हर चीज विश्वसनीय नहीं होती। दरअसल जटिल मुद्दों पर बने भ्रमजाल से यूजर प्रभावित होते हैं। इस सोच का रिएक्शन बदलाव तो ला सकता है लेकिन आने वाली नयी व्यवस्था की राह नहीं बताता। जेनरेशन–जेड पीढ़ी एक साथ दो नेपालों में जी रही है। एक पिछली पीढ़ियों का नेपाल है रू सुबह अखबारध्रेडियो, दोपहर में फेसबुक स्क्रॉल, और शाम को समाचार प्रसारण सुनने वाला। दूसरी तरफ, नया नेपाल है रू इंस्टाग्राम और फेसबुक पर रील्स, टिकटॉक क्लिप्स, ट्विटर और रेडिट थ्रेड्स के लिए डूमस्क्रॉलिंग, जहां आज की जेन–जेड पीढ़ी बहस करती है। हंसती है। आलोचना करती है। असहमति पर 'बॉल्स टू यू' बोलकर आगे बढ़ जाती है। दोनों की दुनिया मुखर और भावुक है, लेकिन वे शायद ही कभी एक–दूसरे से बात करते हैं। यह अंतर हानिरहित दिखता है, फिर भी यह लोकतंत्र के सामने सबसे बड़े खतरों में से एक है। यह खतरा पूर्वी–पश्चिमी एशियाई देशों से लेकर भारत तक मंडरा रहा है। दशकों तक, नेपाल में पुरानी पीढ़ियों ने राजनीतिक बदलाव को आकार दिया। वे 'नरेश निर्माता' थे, न केवल अपने वोट के कारण, बल्कि इसलिए भी, कि उन्हें समसामयिक घटनाओं की जानकारी थी। वे अखबार पढ़ते थे, रेडियो सुनते थे, और राजनीतिक समाचारों पर बारीकी से नजर रखते थे। मुख्यधारा के मीडिया ने उन्हें संदर्भ, गहराई, और सिंह दरबार में जो कुछ हो रहा था, उसकी एक साझा समझ दी। अब, कहानी अलग है। नई पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागरूक है। 'हम चुप नहीं हैं, उदासीन नहीं हैं।' आज के युवा पोस्ट कर रहे हैं, विरोध कर रहे हैं, और ऐसे सवाल पूछ रहे हैं, जिन्हें पहले राजनीतिक रूप से वर्जित माना जाता था। लेकिन, यह बातचीत ज्यादातर पॉडकास्ट, इंस्टाग्राम, रेडिट, टिकटॉक, एक्स और फेसबुक तक ही सीमित है। ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बुजुर्ग नेपालियों के एक बड़े समूह के बीच लोकप्रिय विकल्प नहीं हैं। इसका मतलब है, कि जोश और विचारों से भरी जेनरेशन जेड की आवाजें अक्सर छोटे ऑनलाइन सर्कल में घूमती हैं, लेकिन शायद ही कभी पूरे देश तक पहुंच पाती हैं। इसलिए, इस पीढ़ी की आवाज को गलत समझा जाता है। यह अंतर सिर्फ प्लेटफॉर्म का ही नहीं है। यह पहुंच और डिजिटल साक्षरता का भी है। पुरानी और बीच की पीढ़ी डिजिटली अर्धसाक्षर है। इससे दो विभाजन पैदा होते हैंरू एक तो पहुंच का विभाजन, जहां सभी समान रूप से भाग नहीं ले सकते, और दूसरा पीढ़ीगत विभाजन, जहां पहुंच होने के बावजूद, वृद्ध लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म की गति, और विविधता के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष करते हैं। डिजिटल विभाजन के अलावा, भाषा की एक बाधा बनी हुई है। सभी अंग्रेजी फर्राटेदार नहीं बोलते। 'ओ फ...' बोलना–सुनना, गुनाहे अजीम है पुरानी पीढ़ी के लिए। ऑनलाइन पोस्ट की गई हर चीज विश्वसनीय नहीं होती। जटिल मुद्दों को अक्सर आकर्षक शीर्षकों या मीम्स में बदल दिया जाता है, और अक्सर उन्हें गलत समझा जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है, कि जो वायरल होता है, वह हमेशा सबसे महत्वपूर्ण नहीं होता। अगर हम केवल सोशल मीडिया पर निर्भर रहते हैं, तो हम गति के लिए गहराई, और विचारों के लिए तथ्यों का जोखिम उठाते हैं। ईमानदारी से कहें तो, सोशल मीडिया एक दोधारी तलवार है। इस डिजीटल तलवार का भांजना पंद्रह साल पहले, 'अरब स्प्रिंग' से शुरू हुआ था। ट्यूनीशिया की 2011 की जैस्मिन क्रांति ने राष्ट्रपति बेन अली को अपदस्थ कर दिया, लेकिन एक सुसंगत वैचारिक ढांचे का अभाव था, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रपति कैस सईद के नेतृत्व में लोकतांत्रिक पतन हुआ। इसी प्रकार, मिस्र का 2011 का तहरीर चौक विद्रोह, अपनी प्रारंभिक सफलता के बावजूद, धर्मनिरपेक्षतावादियों, इस्लामवादियों और क्रांतिकारियों के बीच वैचारिक विखंडन के परिणामस्वरूप सैन्य पुनरभिपुष्टि (सैन्य मजबूती) हुई ।छात्रों के विरोध प्रदर्शन के एक साल बाद, बांग्लादेश अभी भी वादा किए गए चुनावों का इंतजार कर रहा है। श्रीलंका में 'अरागालय' को एक संज्ञा के रूप में नहीं – एक पूर्ण घटना के रूप में नहीं – बल्कि एक क्रिया के रूप में – एक सतत संघर्ष के रूप में, माना जाना था। लेकिन सत्ता–विरोधी वादों पर सत्ता में आया गठबंधन उन्हीं ताकतों के साथ समझौते कर रहा है, जिनका कभी उसने विरोध किया था। अंततः राजनीति का मतलब यह नहीं है कि क्या कारगर है, या कौन शासन करेगा? इसी सवाल से वाबस्ता है, फिलीपींस। यदि राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर को हटाया, तो किसके हाथों आ जाएगी सत्ता? फिलीपींस में जूनियर मार्कोस को सत्ता से हटते ही, उपराष्ट्रपति सारा डुटर्टे कुर्सी न सम्हाल लें, जो पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो डुटर्टे की बेटी हैं। डुटर्टे ने ड्रग्स के खिलाफ युद्ध चलाया, जिसके कारण हजारों मौतें हुईं। वो हेग स्थित इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस की हिरासत में हैं।ठीक से देखा जाये, तो फिलीपींस में लोगों का गुस्सा नेपाल जितना व्यापक और भयावह नहीं है। मनीला पुलिस डिस्ट्रिक्ट (एमपीडी) के अनुसार, रविवार को भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान मनीला में भड़के दंगे में शामिल 200 से ज्यादा लोग अब पुलिस हिरासत में हैं। गिरफ्तार किए गए 212 लोगों में से 89 नाबालिग हैं, जिनमें से 24 की उम्र 12 साल या उससे कम है। लेकिन क्या, ये लोग सत्ता की कमान संभालेंगे? लोगों की प्रतिक्रिया इतनी त्वरित होती है कि साउंड और लाईट के सारे नियम ध्वस्त हो जाएं। लेह में प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी कार्यालय को आग लगा दी, नेपाल से तुलना करने में लोगों ने सेकेंड की भी देर नहीं की।नेपाल में जब जेन–जी आंदोलन शुरू हुआ, कुछ लोगों ने सीआईए पर संदेह व्यक्त किया, कि यह सारा कुछ उसी का किया–धरा है। लेकिन ठीक से देखा जाये, तो दुनिया भर में सोशल मीडिया पर किसी एक संस्था का नियंत्रण नहीं हैय नियंत्रण मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, इंस्टाग्राम) और अल्फाबेट इंक. (गूगलध्यूट्यूब) जैसी बड़ी निजी कंपनियों और राष्ट्रीय सरकारों के बीच बंटा हुआ है, जो सामग्री को सेंसर कर सकती हैं, और विनियमन एवं कानून प्रवर्तन के माध्यम से प्लेटफॉर्म्स को प्रभावित कर सकती हैं। जहां निजी कंपनियां अपने प्लेटफॉर्म्स पर सामग्री को नियंत्रित करती हैं, वहीं उनकी शक्ति को सरकारी कार्रवाइयों और यूनेस्को जैसे अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा भी चुनौती दी जाती है, जिनका उद्देश्य अधिक जवाबदेही और मानवाधिकार सिद्धांतों को स्थापित करना है।

किसी उत्सव के लायक नहीं है जी.एस.टी. दरों में कटौती

पी. चिदम्बरम

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

आर.बी.आई. के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित होने वाला एक लेख, जिसका मैं हर महीने बेसब्री से इंतजार करता हूं, वह है 'अर्थव्यवस्था की स्थिति'। इसकी शुरुआत में एक चेतावनी है जो मुझे हमेशा प्रभावित करती है। इसमें लिखा है, ''उप–गवर्नर डा. पूनम गुप्ता द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और टिप्पणियों का आभार। इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।'' यह कोई रहस्य नहीं है कि गवर्नर की स्वीकृति के बिना आर.बी.आई. का एक भी शब्द बच नहीं सकता। यहां तक कि किसी उप–गवर्नर का अकादमिक शोधपत्र या भाषण भी गवर्नर द्वारा अनुमोदित होता है। कोई भी इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेता और लेख को व्यापक रूप से पढ़ा जाता है और खूब उद्धृत किया जाता है। लेख में एक शब्द कई बार आता है 'अनिश्चितता'। सरकार और आर.बी.आई. द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बावजूद, मुद्रास्फीति, कीमतों, रोजगार, वेतन और मजदूरी, निवेश, आय कर और विदेशी व्यापार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता गैर–आर्थिक क्षेत्रों जैसे सार्वजनिक परीक्षा, मतदाता सूची और चुनाव, कानून और उनका क्रियान्वयन, विदेश नीति, पड़ोस नीति आदि पर भी फैल रही है। दरअसल अनिश्चितता ही देश की वर्तमान स्थिति को परिभाषित करती है।मौजूदा अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों के लिए 'ठप्प' का जवाब वही चिर–परिचित 'रट' है कि 'अर्थव्यवस्था लचीली है'। सरकार की तरह, ठप्प भी तिनके का सहारा ले रहा है। सबसे ताजा तमाशा जी.एस.टी. दरों में कटौती है। आर.बी.आई. दरों में कटौती को ऐतिहासिक जी.एस.टी. सुधार बता रहा है। कर की ऊंची और बहुविध दरों में कटौती जो मूल पाप थे, आखिर 'सुधारात्मक' क्या है? जी.एस.टी. कानूनों का डिजाइन गलत था, कर ढांचा गलत था, नियम और कानून गलत थे, कर दरें गलत थीं और जी.एस.टी. कानूनों का क्रियान्वयन गलत था। मेरी राय में, त्रुटिपूर्ण बहुविध कर दरों को सुधारना कोई क्रांतिकारी सुधार नहीं है। हालांकि, जी.एस.टी. दरों में कटौती से अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी है। जी.एस.टी. दरों में कटौती से उपभोक्ताओं के हाथ में लगभग 2,00,000 करोड़ रुपए आने की उम्मीद है। 2025–26 में 357,00,000 करोड़ रुपए के नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले 'अतिरिक्त' धन 0.56 प्रतिशत है। भारत में वार्षिक खुदरा बाजार का अनुमान 82,00,000 करोड़ रुपए है और 'अतिरिक्त' धन 2.4 प्रतिशत होगा। अतिरिक्त खुदरा व्यय से उपभोग तो बढ़ेगा लेकिन अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव बहुत बढ़ा–चढ़ाकर बताया गया है। इसके अलावा 2,00,000 करोड़ रुपए का सारा हिस्सा उपभोग में नहीं जाएगा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, घरेलू ऋण बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत हो गया है और घरेलू बचत घटकर सकल घरेलू उत्पाद का 18.1 प्रतिशत रह गई है। इसलिए, परिवारों के हाथ में जीएसटी का कुछ 'धन' ऋण कम करने में और कुछ बचत बढ़ाने में जाएगा। मैं मानता हूं कि उपभोग व्यय में वृद्धि होगी लेकिन क्या इससे उपभोग, उत्पादन और निवेश के चक्र को कोई महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा? सरकारी अर्थशास्त्रियों को छोड़कर सभी ने इस प्रश्न पर अपना निर्णय सुरक्षित रखा है।वित्त मंत्रालय और आर.बी.आई. एक ही राग अलाप रहे हैं। 19 जून, 2025 को वित्त मंत्रालय की सलाहकार समिति को प्रस्तुत एक शोधपत्र में, पहली तीन स्लाइडों (पृष्ठों) के शीर्षक इस प्रकार हैं– वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के उच्च स्तर से ग्रस्त है। वैश्विक व्यापार और निवेश में मंदी आ गई है।इस पृष्ठभूमि में,भारत का आर्थिक प्रदर्शन मजबूत रहा है।अज्ञात कारणों से, मुख्य आर्थिक सलाहकार कठोर सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए न तो इच्छुक हैं और न ही सक्षम। कठोर सुधार प्रधानमंत्री के 'जीवन को आसान बनाने' और 'व्यापार करने में आसानी' को बढ़ावा देने के आह्वान से कहीं आगे जाते हैं। खुला और प्रतिस्पर्धी रू भारत को एक खुली और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनना होगा। हमारा अनुभव रहा है कि जब एक दरवाजा खुलता है तो एक खिड़की बंद हो जाती है। एक 'खुली' अर्थव्यवस्था को दुनिया के सभी देशों के साथ व्यापार के लिए खुला होना चाहिए। एक 'प्रतिस्पर्धी' अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें अधिक द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों को अपनाना होगा। एक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था को चिप्स, जहाज और बाकी सबकुछ नहीं बनाना चाहिए क्योंकि वह ऐसा नहीं कर सकती। हमें केवल वही चीजें (वस्तुएं और सेवाएं) बनानी चाहिएं जिन्हें हम प्रतिस्पर्धी रूप से बना सकें। एक और कठिन सुधार है विनियमन–मुक्ति। कानून प्रवर्तन से लेकर कर प्रशासन तक, हर कोई नियम और कानून बनाना पसंद करता है। मंत्रियों को विधेयकों की जानकारी तो दी जाती है लेकिन नियमों, विनियमों, प्रपत्रों, अधिसूचनाओं, दिशा–निर्देशों आदि के बारे में उन्हें अंधेरे में रखा जाता है। इस तरह जी.एस.टी. जैसा एक बेहतरीन विचार 'गब्बर सिंह टैक्स' बन गया। 1991–96 में देश में विनियमीकरण की पहली लहर आने के बाद, नियंत्रण और नियम व्यवस्था में फिर से घुस आए हैं। और हर दिन नए–नए नियम और कानून बनाए जा रहे हैं। अगर सरकार नियमों और विनियमों के ढेर को हटाने के लिए एक सशक्त प्राधिकारी नियुक्त कर जो हथियार से लैस हो तो यह एक बड़ा सुधार होगा। एक बड़े कदम से, सरकार प्रधानमंत्री के 'जीवन की सुगमता'और 'व्यापार करने की सुगमता' के लक्ष्यों को काफी हद तक हासिल कर लेगी।

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवसः ज्ञान और संस्कृति का एक वैश्विक उत्सव

जहाँ शब्द समाप्त होते हैं, अनुवाद एक नई शुरुआत देता हैकृसमझ की, संस्कृति की, और शांति की।

अनुवादः भाषाओं के अवरोध तोड़कर, मानव एकता का निर्माण करते हैं स आईये भाषाओं का सम्मान करें, और अनुवाद की शक्ति को पहचानें।

हम सभी जानते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस हर साल 30 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन अनुवादकों(ज्तंदेसंजवते) और उनकी अहम भूमिका को उजागर करने के लिए समर्पित है।

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस, जिसे संयुक्त राष्ट्र (न्दपजमक छंजपवदे) द्वारा भी मान्यता प्राप्त है, विश्व भर के भाषा पेशेवरों को समर्पित एक वैश्विक उत्सव है। इसमें न केवल अनुवादक, बल्कि दुभाषिए (प्दजमतचतमजमते) और शब्दकोशकार (ज्मतउपदवसवहपेजे) भी शामिल हैं।

यह दिन उन सभी भाषा विशेषज्ञों के योगदान का सम्मान करता है जो दुनिया भर में संवाद, सहयोग और समझ को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास करते हैं। वे वैश्विक शांति और विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

30 सितंबर को सेंट जेरोम (ैंज. श्रमतवउम) का पर्व होता है, जिन्हें अनुवादकों का संरक्षक संत माना जाता है। वह एक पुजारी थे जो बाइबिल के अनुवाद के लिए जाने जाते हैं। उनकी पुण्यतिथि पर यह दिवस मनाना उनकी विरासत को श्रद्धांजलि है।

अनुवादक विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के बीच एक पुल का काम करते हैं। वैश्वीकरण के इस युग में, अनुवाद साहित्य, विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, व्यापार और अन्य क्षेत्रों में ज्ञान और विचारों के आदान–प्रदान के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। यह दिन अनुवाद के पेशे को बढ़ावा देने और इसकी महत्वपूर्ण सामाजिक भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है।

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस दुनिया को करीब लाने और एक–दूसरे को बेहतर ढंग से समझने में भाषा विशेषज्ञों की शक्ति का जश्न मनाता है।

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस महज एक तारीख नहीं है, बल्कि उस महत्वपूर्ण कार्य को पहचानने का एक अवसर है जो अनुवादक और भाषा पेशेवर वैश्विक संवाद और समझ को बढ़ावा देने के लिए करते हैं।

अनुवाद एक अदृश्य शक्ति है,अक्सर हम अनुवाद को एक साधारण भाषाई प्रक्रिया मान लेते हैं, लेकिन यह उससे कहीं अधिक है। अनुवादक वे अदृश्य नायक हैं जो भाषाओं के बीच की खाई को पाटते हैं और हमें ज्ञान, संस्कृति, साहित्य और विचारों की विशाल दुनिया तक पहुँचने में सक्षम बनाते हैं। कल्पना कीजिए कि अगर शेक्सपियर, प्रेमचंद, या टॉल्स्टॉय के कार्यों का उनकी मूल भाषा से अनुवाद न हुआ होता, तो दुनिया का कितना बड़ा साहित्यिक भंडार हमारी पहुँच से बाहर रह जाता। अनुवाद ही है जो विभिन्न सभ्यताओं की कहानियों और कविताओं को सार्वभौमिक बनाता है। चिकित्सा से लेकर प्रौद्योगिकी तक, दुनिया भर में वैज्ञानिक खोजों और तकनीकी प्रगति का तेज़ी से प्रसार अनुवाद पर निर्भर करता है। यह सुनिश्चित करता है कि नवीनतम शोध और नवाचार किसी भी भाषाई बाधा के कारण रुके नहीं। संयुक्त राष्ट्र (न्छ) जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर, अनुवादक और दुभाषिए देशों को जोड़ने वाले पुल का काम करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि महत्वपूर्ण वैश्विक वार्ताएँ, संधियाँ और शांति प्रयास स्पष्टता और सटीकता के साथ आगे बढ़ें, जिससे वैश्विक शांति और सहयोग की राह आसान होती है।

आज की तेज़ी से बदलती और परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में, अनुवाद की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। डिजिटल क्रांति और वैश्वीकरण ने दुनिया को एक वैश्विक ग्राम में बदल दिया है। ऐसे में, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के व्यापारिक सौदों से लेकर अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहायता तक, हर क्षेत्र में प्रभावी संचार के लिए सटीक और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील अनुवाद अपरिहार्य है।

इसके अलावा, अनुवादक अपनी विशेषज्ञता से हमें न केवल शब्दों का अर्थ बताते हैं, बल्कि संस्कृति के सार, संदर्भ के भाव और स्थानीय बारीकियों को भी एक भाषा से दूसरी भाषा में स्थानांतरित करते हैं। वे गलतफहमियों को दूर करते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच सहानुभूति पैदा करते हैं।

डॉक्टर संगीता बनाफर
अध्यक्ष शैक्षणिक प्रकोष्ठ विश्व हिंदी परिषद छत्तीसगढ़

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस हमें याद दिलाता है कि यह पेशा चुनौतियों से भरा है। एक अच्छा अनुवादक बनने के लिए केवल दो भाषाओं का ज्ञान पर्याप्त नहीं है; इसके लिए विषय वस्तु की गहरी समझ, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और त्रुटिहीन लेखन कौशल की आवश्यकता होती है।

हमें अनुवादकों के काम को उचित पहचान और सम्मान देना चाहिए। जब हम कोई विदेशी किताब पढ़ते हैं या कोई अंतर्राष्ट्रीय समाचार समझते हैं, तो हमें उस व्यक्ति को याद रखना चाहिए जिसने हमारे लिए उस ज्ञान के द्वार खोले।

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस पर, आइए हम उन भाषा पेशेवरों को सलाम करें जो दुनिया को एकजुट करने का एक शांत लेकिन शक्तिशाली कार्य करते हैं। उनका काम हमें सिखाता है कि भले ही हमारी भाषाएं अलग हों, लेकिन हमारी मानवता एक है। अनुवाद वह कला है जो इस एकता को संभव बनाती है। इस ज्ञान की नदी को बहने दो कृअनुवादकों के बिना दुनिया मौन होती । अतः एक भाषा से दूसरी भाषा तक का सफर कर, दिलों को जोड़ हमें एकता के सूत्र में पिरोने वाले अनुवादकों को नमन!

लद्दाख हिंसाः जेन–जैड तो महज संभावित लाभार्थी हैं

विजय विद्रोही

लेह लद्दाख में जो कुछ हुआ उसे जेन–जी या जेन–जैड कहने वाले बहुत मिल रहे हैं। उत्तराखंड में परीक्षा पेपर लीक का विरोध करने को भी जेन–जी बताया जा रहा है लेकिन लद्दाख अशांति की वजह के बीज तो 5 साल पहले ही पड़ चुके थे। पेपर लीक पूरे उत्तर भारत के बेरोजगारों का पुराना दर्द है। कब तक लोग वायदों के झुनझुने से दिल को तसल्ली देते रहेंगे, कब तक छात्र पेपर लीक के शिकार होते रहेंगे, कब तक राजनीतिक दल झूठे आश्वासन देकर वोट हासिल करते रहेंगे, कब तक नौकरी लगने की उम्मीद में छात्र ओवर एज होते रहेंगे, एक दिन तो गुस्सा भड़केगा ही, फिर यह किसी अकेले का गुस्सा नहीं है। जम्मू–कश्मीर की बात करें तो 2019 में धारा 370 हटाई जाती है। जम्मू–कश्मीर से लद्दाख को अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाता है जिसकी अपनी कोई विधानसभा भी नहीं होती। जम्मू–कश्मीर को अलग से केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाता है लेकिन विधानसभा की व्यवस्था की जाती है। दोनों को भरोसा दिया जाता है कि उचित समय आने पर राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा। लद्दाख को छठी अनुसूची में डालने का वायदा किया जाता है, इसका मतलब है कि करीब 98 फीसदी अनुसूचित जन जाति को उत्तर पूर्व के आदिवासी बहुल राज्यों की तरह अधिकारों और केंद्र से वित्तीय सहयोग यानी एक तरह से संवैधानिक सुरक्षा मिलना है। इसके अलावा स्थानीय जनता कारगिल और लेह को अलग–अलग लोकसभा सीट बनाने और सरकारी नौकरियों में स्थानीय भर्ती की मांग कर रही है लेकिन 2025 पूरा होने को है और वादे पूरे नहीं हुए हैं। खासतौर से अभी तक पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल किया जाना बाकी है। वैसे जम्मू–कश्मीर की जनता भी केन्द्र सरकार को बार–बार फिर से राज्य का दर्जा देने के वादे को याद दिलाती रहती है। अब कई मैदानी इलाकों में भाजपा शासित राज्यों में स्थानीय नौकरी के कानून बनाए (सुप्रीम कोर्ट में रोक दिए गए) जा सकते हैं तो लद्दाख में क्यों नहीं? ऐसा भी नहीं है कि एल.जी. के माध्यम से केंद्र सरकार बात नहीं कर रही। जनवरी, 2003 में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था, उसके बाद बातचीत के कुछ दौर भी चले हैं। इसमें सोनम वांगचुक का संगठन भी शामिल है लेकिन बातचीत की गति धीमी है, इसमें तेजी लाने के लिए लेह से दिल्ली तक पैदल मार्च भी वांगचुक को करना पड़ता है। अब 6 अक्तूबर को बातचीत का अगला दौर होना था। वांगचुक भूख हड़ताल पर थे। उनके 2 साथियों को तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उसने ट्रिगर प्वाइंट का काम किया। ङ्क्षहसा हुई, ङ्क्षहसा होने के विरोध में सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल तोड़ दी लेकिन निशाना उन पर लगाया जा रहा है, उन्हें देशद्रोही बताया जा रहा है, यह मूल समस्या से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश ही है। अब कहा जा रहा है कि सोनम वांगचुक ने युवा वर्ग को भड़का दिया। राहुल गांधी की कांग्रेस उकसाने का काम कर रही है। नेपाल, बंगलादेश, श्रीलंका को भारत में दोहराना चाहते हैं राहुल गांधी जबकि वास्तविकता यह है कि लद्दाख की समस्या एक राजनीतिक समस्या है (जिसका जुड़ाव चुनावी मुनाफे से है) और इसका राजनीतिक समाधान ही अंतिम समाधान है जो केन्द्र और लद्दाख के सियासी, सामाजिक संगठनों को मिलकर निकालना है, जेन–जैड तो महज संभावित लाभार्थी हैं। फैशन हो गया है जेन–जैड की बात करना। हो सकता है कि कुछ लोगों को ऐतराज हो लेकिन सच्चाई यह भी है कि 14 से 28 साल की जैनरेशन का एक बड़ा हिस्सा दो जी.बी. डाटा दिन में खर्चने पर ज्यादा ध्यान देता है।

ग़ज़ल

जितना आगे वतन हुआ है।
उतना नैतिक पतन हुआ है।

पड़े हाशिए पर वो अब हैं,
सरवस जिनका हवन हुआ है।

सोने की पहचान कहां अब,
खोटा पीतल रतन हुआ है।

शायद लाशें नग्न जलेंगी,
महंगा इतना कफ़न हुआ है।

स्वार्थभाव में स्व को भूले,
भौतिकता का चलन हुआ है।

पीयूष सबके चरण पूज्य पर,
कुत्सित तो आचरन हुआ है।

डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष
संस्कृत प्रवक्ता,
प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या)
विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दर्द को कैसे बयां करूं.. भगदड़ की घटना पर विजय थलापति का रिएक्शन, मृतकों को 20 लाख तो घायलों 2 लाख का देंगे मुआवजा

> थळापति विजय की टीम की तरफ से ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक ट्वीट किया गया, जिसमें लिखा है- मेरे दिल में बसने वाले सभी लोगों को नमस्कार, कल करूर में जो हुआ, उसे सोचकर मेरा दिल और दिमाग बेहद भारी है। इस बेहद दुखद स्थिति में, मैं अपने रिश्तेदारों को खोने के दर्द को कैसे बयां करूं, यह समझ नहीं आ रहा।

मशहूर तमिल एक्टर और तमिलागा वेत्री कझगम पार्टी के अध्यक्ष थलापति विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर में एक रैली की, जहां भगदड़ मच गई और इसमें करीब 39 लोगों मारे गए और कइयों के घायल होने की खबर है। इस घटना के सामने आते ही लोगों का दिल दहल गया है। देश के पीएम मोदी से लेकर कई सेलेब्स ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। वहीं, अब हाल ही में इस घटना पर खुद विजय ने अपना रिएक्शन दिया है और पीड़ितों के लिए मुआवजे का ऐलान भी किया है। थळापति विजय की टीम की तरफ से ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक ट्वीट किया गया, जिसमें लिखा है– मेरे दिल में बसने वाले सभी लोगों को नमस्कार, कल करूर में जो हुआ, उसे सोचकर मेरा दिल और दिमाग बेहद भारी है। इस बेहद दुखद स्थिति में, मैं अपने रिश्तेदारों को खोने के दर्द को कैसे बयां करूं, यह समझ नहीं आ रहा। मेरी आँखें और मन व्यथित और व्यथित हैं। कल (शनिवार) को करूर में जो भीषण हादसा हुआ है, उसके बारे में सोचकर मेरा दिल और दिमाग पर बेहद भारी आघात पहुंचा है। उन्होंने आगे लिखा– इस दुख की खड़ी में, मैं अपने करीबियों का दर्द कैसे बांटू, जिन्होंने अपने को खोया है। इस अनहोनी को लेकर मेरी आंखें नम और मन व्यथित है। आप सभी के चेहरे जिनसे मैं मिला, मेरे जहन में उभर आते हैं। प्यार और स्नेह देने वाले मेरे अपनों के बारे में सोचकर दुख और गहरा जाता है। आगे मुआवजे का ऐलान करते हुए एक्टर ने कहा– ये एक ऐसा नुकसान है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। चाहें कोई भी कितनी सांत्वना दे, हम अपने लोगों के नुकसान को सहन नहीं कर सकते। फिर भी आपके परिवार का एक सदस्य होने के नाते, मैं उन सभी रिश्तेदारों के परिवारों को 20–20 लाख रुपये देना चाहता हूँ जिन्होंने इस भगदड़ में अपनों को खो दिया है और जो पीड़ित हैं, और जो घायल हैं और जिनका इलाज चल रहा है, उन्हें 2–2 लाख रुपये देना चाहता हूँ। मैं जानता हूं कि इस नुकसान के सामने ये बहुत छोटी रकम है। लेकिन इस दुख की घड़ी में आपका अपना होने के चलते में मैं हर पल आपके साथ खड़ा हूं। घायलों के लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे जल्द स्वस्थ हों, वाकई ये दुख सहन करना बेहद असंभव है। तमिलनाडु पुलिस के मुताबिक, थलापति विजय की रैली के लिए 10 हजार लोगों की परमिशन थी। लेकिन, 1 लाख 20 हजार स्क्वायर फीट एरिया में 50 हजार से ज्यादा लोग जमा हो गए। इस दौरान एक्टर 6 घंटे की देरी से पहुंचे। विजय को बताया गया कि 9 साल की एक बच्ची गुम गई थी। उन्होंने मंच से उसे तलाशने की अपील की, जिसके बाद वहां भगदड़ के हालात बन गए।

जुबीन गर्ग की याद में गुवाहाटी विश्वविद्यालय का ऐतिहासिक निर्णय, सिंगर के नाम पर रखा कला एवं संस्कृति केंद्र का नाम

फेमस सिंगर जुबीन गर्ग अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनकी 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से मौत हो गई, जिसने उनके चाहने वालों को हिला कर रख दिया। जुबीन के निधन के बाद अभी तक भी उनके फैंस, करीबी और कई बड़ी हस्तियां उन्हें श्रद्धांजलि देती नजर आ रही हैं। वहीं, हाल ही में गुवाहाटी विश्वविद्यालय ने अपने प्रदर्शन कला और संस्कृति केंद्र का नाम अब सिंगर जुबीन गर्ग के नाम पर रखने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, लोकप्रिय गायक और युवाओं के प्रेरक जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि देने तथा उनकी अमर रचनाओं को संरक्षित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने चार प्रमुख प्रस्तावों को स्वीकार किया है।उनके निधन के बाद विश्वविद्यालय ने अपने प्रदर्शन कला और संस्कृति केंद्र का नाम जुबीन गर्ग के नाम पर रखने का फैसला लिया है, ताकि उनके योगदान को हमेशा याद रखा जा सके। गायक की याद में केंद्र के सामने उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी और उनके जीवन तथा संगीत यात्रा पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक भी प्रकाशित की जाएगी। युवा कलाकारों को प्रेरित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने यह भी निर्णय लिया है कि उनके अंतर–कॉलेज युवा महोत्सव में गायन प्रतियोगिता में जुबिन गर्ग के गीत नामक एक विशेष श्रेणी जोड़ी जाएगी। इससे छात्रों को जुबिन गर्ग के संगीत और उनके अद्वितीय गायन शैली को करीब से जानने और अनुभव करने का मौका मिलेगा। जुबीन गर्ग ने अपने करियर में सैकड़ों सुपरहिट गानों को आवाज दी है। विशेष रूप से 1998 में रिलीज हुई फिल्म दिल से के संगीत में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। आईएमडीबी के अनुसार, जुबिन ने अब तक 222 फिल्मों में अपने सुरों और संगीत के जादू से लोगों का दिल जीता है।

तुम्हें पाकर मैं धन्य हूं.. बेटे रणबीर के बर्थडे पर नीतू कपूर ने दिल खोलकर लुटाया प्यार, पोस्ट वायरल

बॉलीवुड के चमकते सितारे रणबीर कपूर रविवार को अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनकी मां और एक्ट्रेस नीतू कपूर ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावनात्मक पोस्ट शेयर की है। अपने पोस्ट में एक्ट्रेस ने बेटे के लिए अपना प्यार जाहिर किया है, जिस पर फैंस और अन्य सेलेब्स के खूब कमेंट्स आ रहे हैं। नीतू कपूर ने बेटे को बर्थडे विश करते हुए एक प्यारी तस्वीर शेयर की है जिसमें वह रणबीर और उनकी प्रेमिका आलिया भट्ट के साथ फैमिली टाइम का आनंद लेते नजर आ रही हैं। फोटो में आलिया और रणबीर हल्की मुस्कान के साथ एक–दूसरे के सिर को छूते दिखाई दे रहे हैं, जबकि नीतू उनके बगल में बैठी हैं और बेटे के साथ इस खास पल का आनंद ले रही हैं। इस तस्वीर के साथ नीतू कपूर ने कैप्शन में लिखा, "जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यारे बेटे। तुम्हें पाकर मैं खुद को बहुत धन्य पाती हूं।" वहीं, रणबीर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने भी अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इनमें एक दुर्लभ और अनदेखी तस्वीर शामिल है, जिसमें रणबीर अपने माता–पिता, दिवंगत ऋषि कपूर और नीतू कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। रिद्धिमा ने इस तस्वीर के साथ लिखा, "हमारे परिवार के रॉकस्टार को। हैप्पी बर्थडे, लव यू भाई।"नीतू और रिद्धिमा का ये पोस्ट देख सोशल मीडिया पर फैंस और बॉलीवुड की कई हस्तियां भी रणबीर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगे। इसके अलावा वह नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

दिलजीत दोसांझ ने एमी में मचाया धमाल, आलिया भट्ट बोलीं– आप बहुत चमक रहे हैं!

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने लोकप्रिय पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ को प्रशंसित फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में उनके प्रदर्शन के लिए 'इंटरनेशनल एमी पुरस्कार' के लिए नामांकित होने पर बधाई दी। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दोसांझ ने पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की भूमिका निभाई थी, जिनकी 1988 में 27 साल की उम्र में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री परिणिति चोपड़ा ने भी अभिनय किया है। दोसांझ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी के लिए चुना गया है। साथ ही इस फिल्म को टीवी फिल्म/मिनी–सीरीज श्रेणी में भी नामांकित किया गया है। वर्ष 2016 की फिल्म 'उड़ता पंजाब' में दिलजीत दोसांझ के साथ काम कर चुकीं भट्ट ने शनिवार को 'इंस्टाग्राम' पर कहा, ''दिलजीत दोसांझ और इस रत्न में शामिल टीम को बधाई! वाकई बहुत चमक रहे हैं।'' सर्वश्रेष्ठ अभिनेता श्रेणी में, दोसांझ का मुकाबला 'लुडविग' (ब्रिटेन) के लिए डेविड मिशेल, 'यो, एडिक्टो' (स्पेन) के लिए ओरियोल प्ला और 'वन हंड्रेड इयर्स ऑफ सोलिट्यूड' (कोलंबिया) के लिए डिएगो वास्केज से होगा। फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' अप्रैल 2024 में रिलीज हुई थी और दर्शकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई थी और इसके गीतों को भी सराहना मिली थी।

जानवर द बीस्ट विदिनः अपराध की तह में छिपी है समाज की कड़वी सच्चाई

जब कोई धारावाहिक रोमांचक अपराध कथा को गहन सामाजिक मुद्दों, समृद्ध लोककथाओं, पौराणिक प्रसंगों और मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़ता है, तब यह निश्चित होता है कि आपको एक अद्वितीय देखने योग्य अनुभव मिलने वाला है। जनावर भीतर का दरिंदा बिल्कुल वैसा ही है। एक प्रभावशाली अपराध–रोमांचक कथा, जिसमें भावनाएँ और तीव्रता का ऐसा संगम है कि यह आरंभिक दृश्य से ही आपको बांध लेती है।

क्यों जानवर द बीस्ट विदिन आपके सप्ताहांत देखने की सूची में होना चाहिए

1. अपराध का ऐसा जाल जो बनाए रखता है उत्सुकता

एक सिरकटी लाश, लापता हुआ सोना और रहस्यमय ढंग से गायब हुआ व्यक्तिकृजनावर दृ भीतर का दरिंदा आपको सीधे एक भयावह और अस्थिर कर देने वाली रहस्यमय दुनिया में पहुंचा देता है। हर मोड़ एक नई परत खोलता है और आपको लगातार यह सोचने पर विवश करता है कि वास्तविक अपराधी कौन है, कौन क्या छिपा रहा है और इन सभी सूत्रों का आपस में क्या संबंध है।

2. नायक जो फंसा है दो पाटों के बीच

उप–निरीक्षक हेमंत (भुवन अरोड़ा) पारंपरिक नायक नहीं हैं। वह अपनी कर्तव्यनिष्ठा और निजी संघर्षों के बीच जूझते हुए व्यक्ति हैं। उनकी यह यात्रा, जिसमें संवेदनशीलता और तीव्रता दोनों हैं, दर्शकों को उनसे भावनात्मक रूप से जोड़ती है और कथा में गहराई उत्पन्न करती है।

3. जाति और पहचान की पड़ताल

रोमांच और रहस्य से परे, जनावर भीतर का दरिंदा समाज की कठोर सच्चाइयों से टकराती है विशेष रूप से जातिगत भेदभाव और व्यवस्था की कड़वी वास्तविकताओं से। मूल रूप से यह कथा है पहचान, गरिमा और स्वीकार्यता के संघर्ष की, जो इसे उतना ही सार्थक बनाती है जितना रोचक।

4. भुवन अरोड़ा का प्रभावशाली अभिनय

फर्जी में दर्शकों का दिल जीतने के बाद, भुवन अरोड़ा एक बार फिर उप–निरीक्षक हेमंत कुमार के रूप में अपनी प्रतिभा सिद्ध करते हैं। उनके अभिनय में संवेदनशीलता और कठोरता का संतुलित मेल दिखाई देता है, जिससे यह उनके सबसे प्रभावशाली पात्रों में से एक बन जाता है।

5. शचिन्द्र वत्स का सशक्त निर्देशन

निर्देशक शचिन्द्र वत्स अपराध, सामाजिक टिप्पणी और मानवीय नाट्य को अत्यंत संतुलन से पिरोते हैं। उनकी निर्देशन शैली कथा को वास्तविकता से जोड़कर रखती है और साथ ही तनाव व रोमांच को निरंतर बढ़ाती है। यही कारण है कि जनावर दृ भीतर का दरिंदा उतनी ही सोचने पर विवश करती है जितनी रोमांचक है।

करवा चौथ पर ये खास जूड़ा स्टाइल्स बनाएं और दिखें सबसे अलग

करवा चौथ का त्योहार महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं, खूबसूरत आउटफिट पहनती हैं और अपने लुक को परफेक्ट बनाने के लिए हेयरस्टाइल पर खास ध्यान देती हैं। अगर आप भी करवा चौथ पर सबसे अलग और ग्लैमरस दिखना चाहती हैं, तो ये खास जूड़ा स्टाइल्स जरूर ट्राय करें।

लो बन विद गजरा

करवा चौथ पर सबसे क्लासिक और एलीगेंट हेयरस्टाइल है लो बन विद गजरा। बालों को बीच से मांगकर साफ–सुथरा लो बन तैयार करें और उसके चारों ओर ताजे सफेद गजरे से सजाएं। यह हेयरस्टाइल न सिर्फ ट्रेडिशनल लुक देता है बल्कि आपके पूरे करवा चौथ लुक को रॉयल और ग्रेसफुल बना देता है। यह साड़ी या लहंगे दोनों के साथ बेहद खूबसूरत लगता है।

साइड बन विद हेयर एक्सेसरी

अगर आप करवा चौथ पर एक मॉडर्न और ग्लैमरस लुक चाहती हैं, तो साइड बन विद हेयर एक्सेसरी बेस्ट ऑप्शन है। बालों को साइड पार्ट करके एक नीट साइड बन बनाएं और उसे गोल्डन हेयर एक्सेसरी, स्टोन पिन्स या फ्लोरल पिन्स से सजाएं। यह हेयरस्टाइल आपको एलिगेंट और स्टाइलिश दोनों लुक देता है और साड़ी के साथ–साथ लहंगे पर भी बेहद खूबसूरत लगता है।

मैसी बन विद कर्ल्स

यंग और स्टाइलिश अपीयरेंस के लिए मैसी बन विद कर्ल्स परफेक्ट चॉइस है। बालों को हल्का कर्ल करके मैसी स्टाइल में बन तैयार करें और चेहरे के आगे कुछ स्ट्रैंड्स खुला छोड़ दें। यह हेयरस्टाइल आपको एक मॉडर्न, एलिगेंट और थोड़ा कैजुअल–सी फील देता है, जो करवा चौथ पर डिफरेंट और ट्रेंडी लुक पाने के लिए बेस्ट है।

ब्रेडेड बन

जो महिलाएं करवा चौथ पर हैवी ज्वेलरी और ट्रेडिशनल आउटफिट पहनती हैं, उनके लिए ब्रेडेड बन एक परफेक्ट ऑप्शन है। फ्रंट से दो छोटी–छोटी चोटियां बनाकर पीछे ले जाएं, फिर बाकी बालों का बन बनाएं और चोटियों को बन के चारों ओर घुमा दें। यह हेयरस्टाइल आपके लुक में रॉयल टच जोड़ देता है और आपको एक ब्राइडल जैसा ग्रेसफुल अपीयरेंस देता है।

रोज बन हेयरस्टाइल

अगर आप करवा चौथ पर कुछ स्टाइलिश और यूनिक ट्राय करना चाहती हैं, तो रोज बन हेयरस्टाइल परफेक्ट है। बालों को पिन की मदद से गोल घुमाकर गुलाब जैसी शेप में सेट करें और हेयरस्प्रे से इसे अच्छी तरह फिक्स करें। छोटे पर्ल्स या स्टोन पिन्स से डेकोरेशन करने पर यह हेयरस्टाइल आपके लुक में स्टाइलिश और रॉयल टच जोड़ देता है।

जूड़ा को परफेक्ट बनाने के टिप्स

जूड़ा बनाने से पहले बालों में स्मूदनिंग सीरम लगाएं।

हेयरस्प्रे का इस्तेमाल करें ताकि हेयरस्टाइल लंबे समय तक टिका रहे।

अगर बाल पतले हैं, तो बन बनाने के लिए डोनट का इस्तेमाल करें।

जूड़े के साथ गजरा, हेयर पिन्स और एक्सेसरी जरूर लगाएं ताकि पूरा लुक ग्रेसफुल लगे।

क्या हंसने से आंखों की रोशनी में सुधार हो सकता है? हालिया लंदन में की गई रिसर्च ने इस पर एक नई रोशनी डाली है, जिसमें पता चला है कि हंसने से आंखों की ड्राइनेस को कम करने में मदद मिल सकती है।

इस अध्ययन ने साबित किया है कि ठहाके मारकर हंसना सिर्फ मन को खुशी नहीं देता, बल्कि यह आंखों के लिए एक प्रभावी और नैचुरल उपचार भी है। आइए, जानें इस दिलचस्प रिसर्च के बारे में!

आंखों की ड्राइनेस का बड़ा मुद्दा

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन के दौरान पाया कि लगभग 36 करोड़ लोग ड्राई आई सिंड्रोम से पीड़ित हैं। ब्रिटेन में हर 7 में से एक व्यक्ति आंखों की समस्याओं का सामना कर रहा है, जिसमें खुजली और लालपन शामिल हैं। ऐसे में यह शोध महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

लाफ्टर थेरेपी एक सस्ता और प्राकृतिक उपाय

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने दो समूहों का निर्माण किया। एक समूह को हंसने की एक्सरसाइज कराई गई, जबकि दूसरे समूह का इलाज आई ड्रॉप्स के माध्यम से किया गया। पहले समूह को दिन में चार बार हंसने का समय दिया गया, जबकि दूसरे समूह को समान समय पर आई ड्रॉप्स का उपयोग करना पड़ा।

अध्ययन के अंत में यह पाया गया कि लाफ्टर थेरेपी ने आई ड्रॉप्स की तुलना में बेहतर परिणाम दिए। इसका मतलब है कि अब आंखों की ड्राइनेस को दूर करने के लिए महंगे आई ड्रॉप्स की जरूरत नहीं, बल्कि हंसना बेहतर है।

अध्ययन की प्रक्रिया

अध्ययन में शामिल दोनों समूहों की देखरेख की गई, और आठ हफ्तों तक इन्हें लगातार इसी तरीके से प्रैक्टिस करवाई गई। अंत में, लाफ्टर थेरेपी को अधिक प्रभावी माना गया, जिससे यह साबित होता है कि हंसने से न केवल मन को खुशी मिलती है, बल्कि यह आंखों की सेहत के लिए भी लाभदायक है।

यह रिसर्च यह दर्शाता है कि हंसने से सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य में सुधार नहीं होता, बल्कि यह आंखों के लिए भी एक कारगर उपाय हो सकता है। ड्राई आई सिंड्रोम से परेशान लोगों के लिए यह शोध एक आशा की किरण है, जो महंगे उपचारों के मुकाबले एक सरल और सस्ता विकल्प प्रस्तुत करता है।

तो अगली बार जब आपको अपनी आंखों में सूजन या खुजली महसूस हो, तो महंगे आई ड्रॉप्स की बजाय एक अच्छी कॉमेडी फिल्म देखें और खुलकर हंसें! आपकी आंखें आपको धन्यवाद देंगी।

वेपिंग, जिसे ई–सिगरेट के नाम से भी जाना जाता है, का उद्देश्य धूम्रपान छोड़ने में मदद करना था। लेकिन हाल के वर्षों में यह युवा पीढ़ी के बीच एक हानिकारक ट्रेंड बन गया है। कई लोग मानते हैं कि वेपिंग सिगरेट के मुकाबले सुरक्षित है, लेकिन रिसर्च से पता चला है कि यह भी जानलेवा हो सकता है। आइए, इस लेख में जानते हैं वेपिंग के साइड इफेक्ट्स के बारे में।

अमेरिका में एक महिला का अनुभव

हाल ही में, अमेरिका की 32 वर्षीय महिला की कहानी ने वेपिंग के खतरनाक प्रभावों को उजागर किया। उसने टीनएज में ही स्मोकिंग शुरू कर दी थी और हर दिन 500 रुपये वेपिंग पर खर्च करती थी। उसे यह लत इतनी गहरी हो गई थी कि वह बिना वेप के नींद नहीं आ पाती थी। अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसके फेफड़ों से 2 लीटर जहरीला लिक्विड निकाला, जो वेपिंग के कारण हुआ था।

फेफड़ों के लिए खतरनाक

वेपिंग फेफड़ों के लिए बेहद खतरनाक है, क्योंकि इसमें मौजूद केमिकल्स सीधे फेफड़ों में पहुंचते हैं, जिससे सूजन और अन्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह स्थिति न केवल अस्थायी असुविधा का कारण बनती है, बल्कि आगे चलकर गंभीर बीमारियों जैसे ब्रॉन्काइटिस और अस्थमा का खतरा भी बढ़ाती है। इसके लंबे समय तक उपयोग से फेफड़ों की स्वास्थ्य स्थिति और भी बिगड़ सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई और अन्य श्वसन संबंधित समस्याए हो सकती हैं।

कैंसर का रिस्क

हालांकि इस बात का ठोस प्रमाण नहीं है कि वेपिंग कैंसर का कारण बनता है, लेकिन इससे शरीर के अंदर ऐसे टॉक्सिक पदार्थ जा सकते हैं जो कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। कई हेल्थ रिपोर्ट्स में यह बताया गया है कि ई–सिगरेट के उपयोग से मृत्यु दर में वृद्धि हुई है।

हार्ट हेल्थ पर प्रभाव

वेपिंग और सिगरेट दोनों का हार्ट हेल्थ पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, क्योंकि ये ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाते हैं। इस स्थिति के परिणामस्वरूप कार्डियक अरेस्ट, हार्ट स्ट्रोक, और हाइपरटेंशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। नियमित वेपिंग से रक्त संचार प्रणाली में बाधाएं आ सकती हैं, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता है। यह समस्या केवल धूम्रपान करने वालों में ही नहीं, बल्कि उनके आस–पास के लोगों में भी स्वास्थ्य संबंधी चिंताए पैदा कर सकती है।

निकोटीन की लत

ई–सिगरेट में मौजूद निकोटीन एक अत्यंत हानिकारक पदार्थ है, जो आसानी से लत लगने वाला होता है। इसकी लत को छोड़ना बेहद मुश्किल है, और यह ब्रेन हेल्थ को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। निकोटीन शरीर में कई हफ्तों तक रह सकता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जैसे कि ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, चिंता, और मूड स्विंग्स। इसके अलावा, यह मस्तिष्क की रसायन संतुलन को बिगाड़ सकता है, जो लंबे समय में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

खांसी और अन्य सांस समस्याए

वेपिंग से होने वाली खांसी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है, खासकर युवा पीढ़ी में। अमेरिकन हेल्थ रिपोर्ट्स के अनुसार, स्कूल के बच्चों में खांसी की समस्या वेपिंग के कारण 28: देखी गई है, जो टीबी जैसी गंभीर समस्याओं का कारण भी बन सकती है। वेपिंग को पहले एक सुरक्षित विकल्प माना जाता था, लेकिन अब यह एक जानलेवा ट्रेंड बन गया है। इसके कई हानिकारक साइड इफेक्ट्स हैं, जो न केवल युवाओं के लिए बल्कि सभी उम्र के लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। इसलिए, स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि वेपिंग से दूर रहना ही सबसे अच्छा विकल्प है।

प्रतिदिन सेब खाने से सेहत को गजब फायदे मिलते हैं। यह डॉक्टर भी कहते हैं कि रोजाना सेब खाने से बीमारियां भी दूर होती है। अब सवाल उठता है कि रोजाना सेब खाने से क्या होता है। आप भी जानना चाहते हैं तो सेब खाने से कई फायदे होते हैं। आइए जानते हैं।

अंग्रेजी में एक कहावत है ।द ।चचसम ं क्ंल ज्ञममचे जीम क्वबजवत ।ूंल, इसे आपने जरुर सुना होगा। इसका मतलब है कि रोजाना एक सेब खाने से डॉक्टर से दूर रहते हैं। डॉक्टर भी सेब खाने की सलाह जरुर देते हैं। सेब में विटामिन, खनिज और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को हेल्दी रखता है और एनर्जेटिक बनाता है। आइए जानते हैं रोजाना 1 सेब खाने से क्या होता है।

पाचन में सुधार होता है

जैसा कि सेब में खूब सारा फाइबर मौजूद होते हैं। सेब में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र को सुचारु रुप से चलाने में मदद मिलती है। सेब के खाने से कब्ज से छुटकारा मिलता है। पेट से संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

हार्ट को स्वस्थ रखता

अगर आप 1 महीने तक लगातर रोज सेब खाते हैं तो यह दिल के लिए सबसे फायदेमंद होता है। सेब के सेवन से कोलेस्ट्रॉल का लेवल कंट्रोल में रहता है और यह दिल की बीमारियों के जोखिम को कम कर सकता है।

वजन कम करने में सहायक

अगर आप बढ़ते हुए वजन से परेशान हैं तो आप सेब का सेवन जरुर करें। दरअसल, सेब में कैलोरी कम होती है और यह भूख को शांत करने में मदद करता है। फाइबर की उच्च मात्रा होने से यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है।

इम्यूनिटी बूस्ट करना

सेब में विटामिन से होता है, जो शरीर के लिए काफी हेल्दी है। इसके साथ ही सेबस शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है और सर्दी–खांसी जैसी बीमारियों से बचाव करता है।

ग्लोइंग स्किन होती है

अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी स्किन ग्लो करें, तो सेब का सेवन जरुर करें। सेब में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाएं रखता हैं। यह त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाता है और आपके चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइंस को दूर करता है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

कभी कोहली ने छक्के जड़कर पलटा था मैच, अब तिलक–दुबे ने भी रऊफ को दिखाया आइना

दुबई। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ का भारत के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। भारतीय टीम के लिए रऊफ का गेंदबाजी करने आना वरदान की तरह है। टी20 विश्व कप 2022 में पहले विराट कोहली ने रऊफ पर छक्के लगाकर मैच का रुख पलट दिया था। अब एशिया कप के फाइनल में तिलक वर्मा और शिवम दुबे ने उनकी जमकर खबर ली और भारत को जीत दिलाने में सफल हुए।

तिलक के दम पर जीता भारत

भारत ने दुबई में खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम ने 2023 में वनडे प्रारूप के बाद 2025 में टी20 प्रारूप का एशिया कप जीत लिया है। भारत के लिए तिलक वर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया और अंत तक टिके रहकर टीम को अभूतपूर्व जीत दिलाई। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने कुलदीप यादव की शानदार गेंदबाजी की मदद से पाकिस्तान की पारी 19.1 ओवर में 146 रन पर ढेर कर दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए तिलक ने 53 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए जिसके दम पर भारत ने 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 150 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

रऊफ के स्पैल से पलटा मैच का रुख

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 20 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तिलक वर्मा ने पहले संजू सैमसन और फिर शिवम दुबे के साथ मिलकर अर्धशतकीय साझेदारी निभाई और भारत को जीत की ओर अग्रसर किया। 14 ओवर की समाप्ति के बाद भारत का स्कोर चार विकेट पर 83 रन था और टीम मुश्किल में दिख रही थी। अगला ओवर डालने के लिए रऊफ आए और दुबे ने चौके के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद तिलक ने रऊफ पर एक चौका और एक छक्का लगाकर उनके उस ओवर से कुल 17 रन निकाले जिससे भारत 100 रनों का आंकड़ा छूने में सफल रहा।

रऊफ इसके बाद 18वां ओवर डालने आए और उस समय भारत का स्कोर चार विकेट पक 117 रन था। रऊफ का ये ओवर अच्छा जा रहा था, लेकिन दुबे ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाया और ओवर से कुल 13 रन जुटाए। भारत को आखिरी ओवर में जीत के लिए 10 रन चाहिए थे और तिलक–दुबे के बीच साझेदारी टूट चूकी थी। पाकिस्तान के लिए रऊफ गेंदबाजी करने आए और तिलक वर्मा ने पहली गेंद पर दो रन लिया, जबकि दूसरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। तीसरी गेंद पर तिलक ने एक रन लेकर स्कोर बराबर कर दिया। चौथी गेंद पर रिंकू सिंह ने चौका लगाया और टीम को जीत दिलाई। इस तरह रऊफ यहां भी विफल साबित हुए। भारत अगर लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा तो इसके पीछे रऊफ की गेंदबाजी अहम रही क्योंकि अन्य पाकिस्तानी गेंदबाज की तुलना में वह ज्यादा महंगे रहे।

टी20 विश्व कप में कोहली ने रऊफ का तोड़ा था घमंड

ये पहली बार नहीं है जब रऊफ भारत के खिलाफ महंगे साबित हुए हैं। इससे पहले विराट कोहली ने टी20 विश्व कप 2022 के मुकाबले में उनका घमंड तोड़ा था। मेलबर्न में खेले गए उस मैच में 160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने पहले 10 ओवर में चार विकेट गंवाकर 45 रन बनाए थे। आखिरी 10 ओवर में टीम इंडिया को जीत के लिए 116 रन चाहिए थे। तब विराट कोहली और हार्दिक पांड्या क्रीज पर थे। भारत ने 11 से 15वें ओवर के बीच 55 रन बनाए और कोई विकेट नहीं गंवाया। 17वें ओवर तक दोनों संभल कर खेलते दिखे। 16वें और 17वें ओवर में कुल मिलाकर 12 रन बने।

18वें ओवर में विराट ने गियर बदला। उन्होंने पहले शाहीन अफरीदी के ओवर में तीन चौके लगाए। 18वें ओवर में भारत ने 17 रन बटोरे। इसके बाद आखिरी दो ओवर में टीम इंडिया को 31 रन बनाने थे। 19वें ओवर की पहली चार गेंदों पर सिर्फ तीन रन बने। पांचवीं गेंद पर कोहली स्ट्राइक पर थे और गेंदबाजी हारिस रऊफ कर रहे थे। रऊफ की शॉर्ट बॉल पर कोहली ने स्ट्रेट बाउंड्री के ऊपर से बेहतरीन छक्का लगाया। वहीं, रऊफ की आखिरी गेंद पर कोहली ने फाइनल लेग के ऊपर से छक्का जड़ा। इन दोनों छक्कों ने मैच का रुख बदल कर रख दिया और भारत मैच अपने नाम करने में सफल रहा था।

पाकिस्तान ने दिखाया असली चेहरा, आतंकियों के परिवारों को देंगे फाइनल का पैसा, खुद कप्तान ने किया एलान

दुबई। एशिया कप 2025 फाइनल में भारत से पांच विकेट से हारने के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा का बयान एक बार फिर विवादों में है। सलमान ने न सिर्फ भारतीय टीम के श्नो हैंडशेकश फैसले को क्रिकेट का अपमान बताया बल्कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में चौंकाने वाला एलान करते हुए कहा कि पूरा मैच फीस उन परिवारों को दान किया जाएगा जो श्ऑपरेशन सिंदूरश में मारे गए। यानी पाकिस्तानी खिलाड़ी आतंकियों के परिवारों को मैच फीस देंगे, क्योंकि भारत के ऑपरेशन सिंदूर में केवल पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था और उसमें 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया गया था।

आतंकी मसूद अजहर भी होगा मालामाल?

ऐसे में पाकिस्तान कप्तान का यह बयान उनका असली चेहरा दिखाता है। इस एलान से पाकिस्तान में मौजूद आतंकी मसूद अजहर भी मालामाल हो जाएगा। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी मसूद अजहर के परिवार के कई सदस्य मारे गए थे। सलमान आगा ने कहा, श्हमारी टीम एशिया कप फाइनल की मैच फीस को मई में भारत के हमलों में मारे गए नागरिकों और बच्चों के परिवारों को दान कर रही है।

सलमान का बेतुका बयान

फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सलमान अली आगा ने बेतुका बयान देते हुए कहा, भारत ने इस टूर्नामेंट में जो किया, वह बहुत निराशाजनक था। वे हमें नहीं बल्कि क्रिकेट को अनादर कर रहे हैं। अच्छी टीमें ऐसा नहीं करतीं।

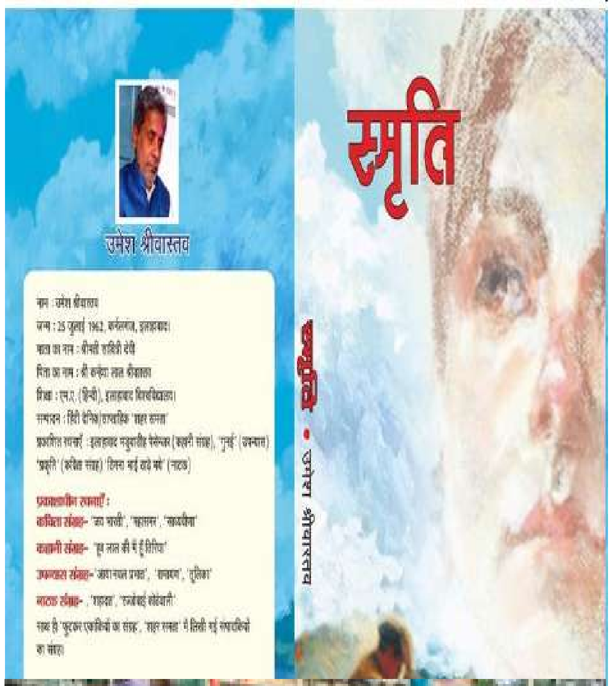

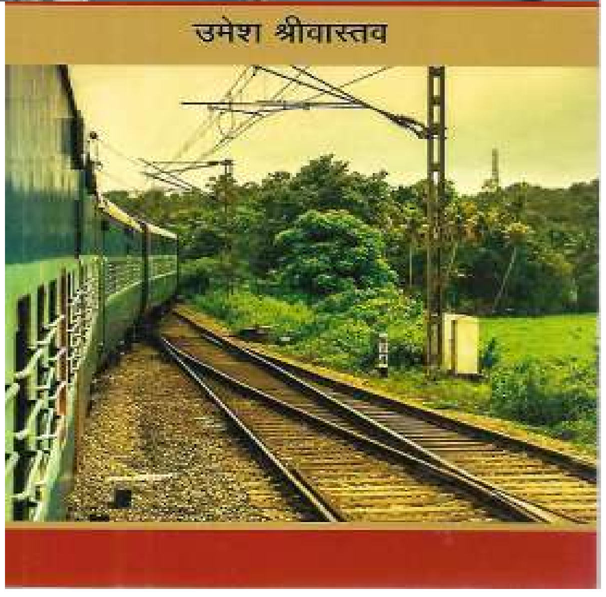

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

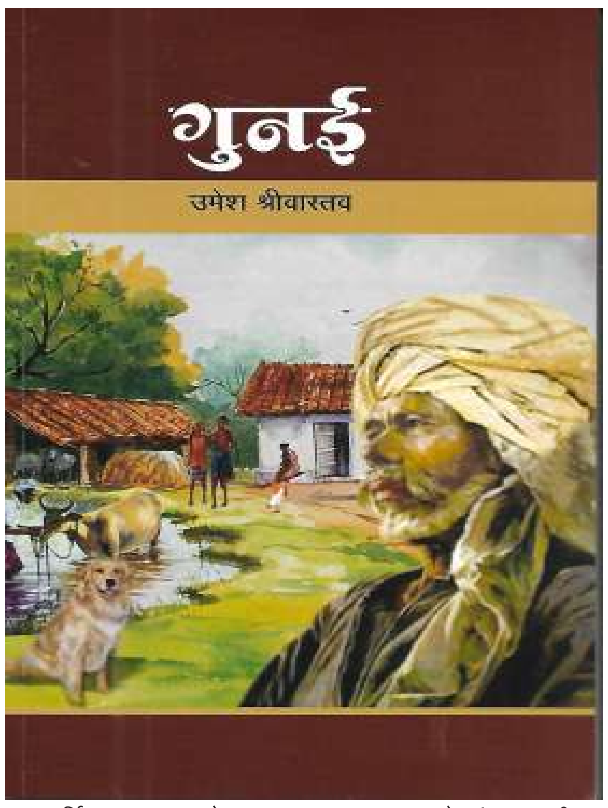

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

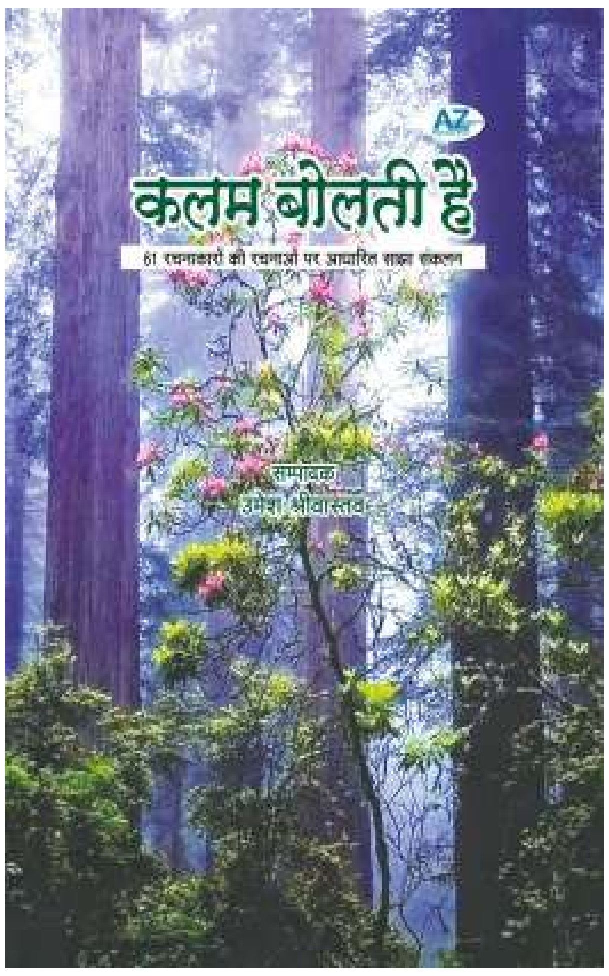

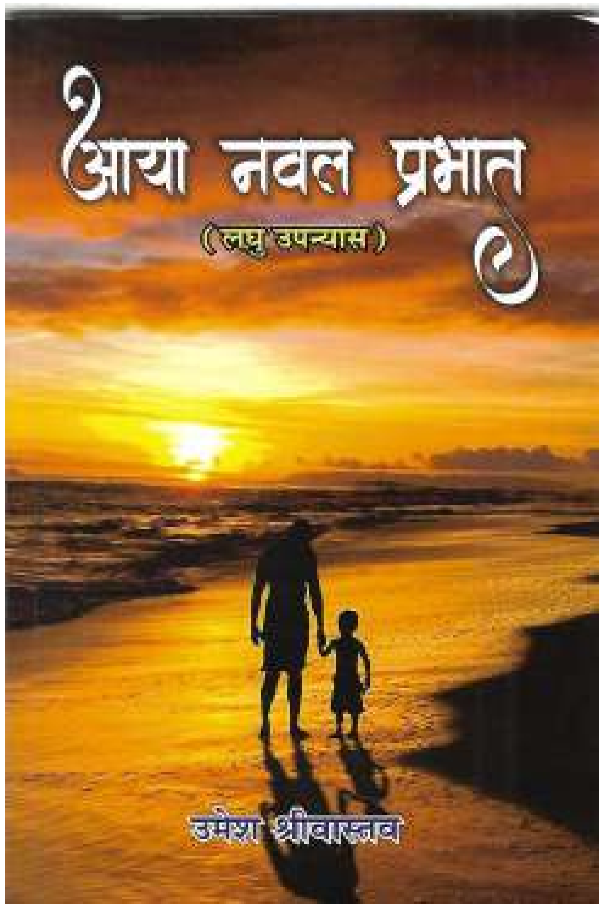

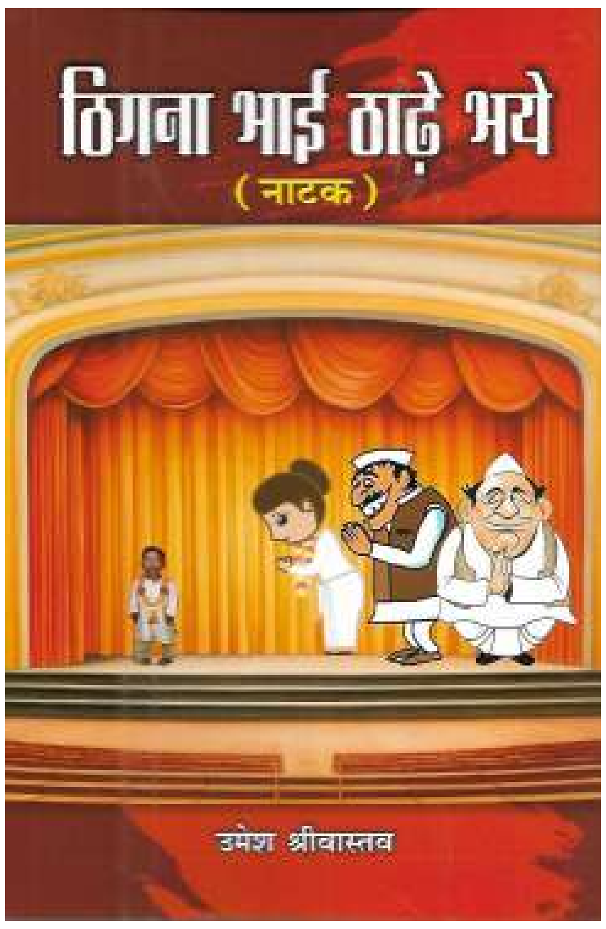

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका समेत कई देशों के साथ एफटीए पर बातचीत जारी : गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए अमेरिका, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू, चिली और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि कतर और बहरीन भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के इच्छुक हैं। गोयल ने कहा कि अगस्त में भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईएईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर किए थे। ईएईयू में आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और रूस शामिल हैं। मंत्री ने ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में कहा, अमेरिका के साथ (व्यापार समझौते के लिए) बातचीत चल रही है। यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली के साथ भी बातचीत चल रही है। पिछले सप्ताह, गोयल ने न्यूयॉर्क में व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। उस बैठक के बाद, भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया था। दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर रचनात्मक बैठकें कीं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठकें कीं।

रुपया शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की बढ़त के साथ 88.69 प्रति डॉलर पर

एशियाई मुद्राओं के सकारात्मक रुख और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की बढ़त के साथ 88.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है क्योंकि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और भू–राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण इस पर दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.69 पर खुला जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को 88.72 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले बृहस्पतिवार को घरेलू मुद्रा 88.76 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.94 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 255.46 अंक चढ़कर 80,681.92 अंक पर और निफ्टी 89.05 अंक की बढ़त के साथ 24,743.75 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69.72 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,687.58 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को आरबीआई का डिप्टी गवर्नर किया नियुक्त

सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को तीन साल के कार्यकाल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। मुर्मू, एम. राजेश्वर राव का स्थान लेंगे जिनका विस्तारित कार्यकाल आठ अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी

दे दी है। उनका कार्यकाल नौ अक्टूबर या उसके बाद पद ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष का होगा। मुर्मू वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) में कार्यकारी निदेशक हैं और पर्यवेक्षण विभाग का काम देखते हैं। आरबीआई अधिनियम 1934 के अनुसार, केंद्रीय बैंक में चार डिप्टी गवर्नर होने चाहिए। दो अपने ही 'रैंक' से, एक वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र से और एक अर्थशास्त्री जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करेगा। अन्य तीन डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और पूनम गुप्ता हैं। गौरतलब है कि एम. राजेश्वर राव को पहली बार सितंबर 2020 में तीन साल की अवधि के लिए डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था। 2023 में उन्हें एक साल का विस्तार मिला था। इसके बाद 2024 में एक और विस्तार मिला। इस प्रकार आठ अक्टूबर को राव के कार्यकाल के पांच वर्ष पूरे हो जाएंगे।

भारत का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में चार प्रतिशत बढ़ा, सरकारी आंकड़े जारी

नई दिल्ली। सरकार की आरे से सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में 4 प्रतिशत बढ़ा। इसका मुख्य कारण खनन क्षेत्र का बेहतर प्रदर्शन है। जुलाई माह के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) वृद्धि दर को संशोधित कर 4.3 प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इसका अनुमान 3.5 प्रतिशत था। अगस्त 2025 के लिए तीन क्षेत्रों, खनन, विनिर्माण और बिजली की वृद्धि दर क्रमशः 6 प्रतिशत, 3.8 प्रतिशत और 4.1 प्रतिशत थी।

संक्षिप्त

हाइफा को ओटोमन शासन से ब्रिटिश नहीं, भारतीय सैनिकों ने कराया था मुक्त, स्कूल में पढ़ाया जाएगा पाठ

हाइफा। इस्राइल के हाइफा शहर में सोमवार को बलिदानी भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर हाइफा के मेयर ने कहा कि शहर के स्कूलों की इतिहास की किताबों में बदलाव किया जा रहा है, ताकि सही जानकारी दी जा सके कि इस शहर को ओटमन शासन से ब्रिटिश ने नहीं, बल्कि भारतीय सैनिकों ने मुक्त कराया था। हाइफा के मेयर योना याहाव ने कहा, मैं इस शहर में पैदा हुआ और यहीं से स्नातक किया हुआ हूं। हमें हमेशा बताया जाता था कि यह शहर ब्रिटिश ने मुक्त कराया था। लेकिन एक दिन शहर के इतिहास के किसी जानकार ने मेरे दरवाजे पर दस्तक दी और बताया कि उन्होंने गहन शोध किया है और पाया है कि इस शहर को मुक्त कराने वाले ब्रिटिश नहीं, बल्कि भारतीय थे। उन्होंने उन लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही, जो भारतीय सैनिकों की बहादुरी को याद करने के लिए बलिदानी सैनिकों के कब्रिस्तान में एक समारोह में जमा हुए थे। याहाव ने कहा, हम हर स्कूल में किताबों के पाठ बदल रहे हैं और बता रहे हैं कि इस शहर को ब्रिटिश ने नहीं, बल्कि भारतीयों ने मुक्त कराया था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारतीय घुड़सवार रेजिमेंट ने तलवार और भाले लेकर माउंट कार्मेल की चट्टानी ढलानों से ओटोमन सेना को खदेड़ा था और इस शहर को मुक्त कराया था। युद्ध के इतिहासकार इस इतिहास के आखिरी बड़ा घुड़सवार अभियान मानते हैं। मेयर याहाव ने 2009 में भी इसी जगह एक समारोह में कहा था कि शहर के इतिहास की किताबों में भारतीय सैनिकों द्वारा इसे मुक्त कराने की कहानी शामिल होगी और आज यह युवाओं के पास स्थापित तथ्य है। भारतीय सेना हर साल 23 सितंबर को हाइफा दिवस मनाती है, ताकि तीन बहादुर भारतीय घुड़सवार रेजिमेंट (मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर लांसर्स) को सम्मानित किया जा सके, जिन्होंने 1918 में 15वें इंपीरियल सर्विस कैवली ब्रिगेड के घुड़सवार अभियान के बाद हाइफा को मुक्त कराया था। यहां भारतीय मिशन और हाइफा नगर निगम मिलकर हर साल भारत के बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

तालिबान ने जेल से अमेरिका के एक नागरिक को रिहा किया

तालिबान ने रविवार को अमेरिका के एक नागरिक को अफगानिस्तान की एक जेल से रिहा कर दिया। तालिबान ने कुछ सप्ताह पहले कहा था कि अफगानिस्तान और अमेरिका के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों के तहत कैदियों की अदला–बदली पर अमेरिकी दूतों के साथ समझौता हो गया है। तालिबान विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने अमेरिकी नागरिक की पहचान अमीर अमीरी के रूप में की। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि अमीरी को कब, क्यों और कहां से हिरासत में लिया गया था। इस रिहाई की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमीरी दिसंबर 2024 से अफगानिस्तान में हिरासत में था और वह अमेरिका वापस जा रहा था।

ईरान ने जासूसी के आरोप में व्यक्ति को दी फांसी, इस्राइल से संघर्ष के बाद सजा-ए-मौत के मामलों में आई तेजी

दुबई। ईरान ने सोमवार को कहा कि उसने इस्राइल के लिए जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को फांसी दी है। तेहरान में कई दशकों में सबसे ज्यादा लोगों को फांसी देने का काम जारी है। उसी कड़ी में यह ताजा मामला है। जिस व्यक्ति को सजा–ए–मौत दी गई है, उसकी पहचान बहमन चूबियासल के रूप में हुई है। हालांकि, ईरानी मीडिया और मौत की सजा पर नजर रखने वाले कार्यकर्ताओं को इस मामले की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। इस व्यक्ति जासूसी के आरोप में ऐसे समय में फांसी दी गई है, जब इस साप्ताहांत पर संयुक्त राष्ट्र ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। ईरान का कहना है कि चूबियासल ने इस्राइल की जासूसी एजेंसी मोसाद के अधिकारियों से मुलाकात की थी। वहीं, ईरान की न्यायपालिका की सूचना एजेंसी शमिजानश ने बताया कि चूबियासल संवेदनशील परियोजनाओं पर काम करता था और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात के मार्गों की जानकारी देता था। इस साल जून में इस्राइल के साथ संघर्ष के बाद से ईरान ने जासूसी के आरोप में नौ लोगों को फांसी दी है। संघर्ष में इस्राइल ने हवाई हमले करके करीब 1,100 लोगों को मार डाला था, जिनमें कई सैन्य कमांडर भी शामिल थे। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल पर मिसाइल हमले किए थे। सितंबर की शुरुआत में ईरान ने बाबक शाहबाजी नाम के व्यक्ति को भी फांसी दी थी। उस पर पर इस्राइल के लिए जासूसी करने का आरोप था। लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस आरोप को खारिज किया था और कहा था कि शाहबाजी को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को पत्र लिखने के बाद झूठे कबूलनामे के लिए प्रताड़ित किया गया था। पिछले कुछ वर्षों में ईरान में आर्थिक तंगहाली, महिलाओं के लिए अधिकारों की मांग और देश की धार्मिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। इन विरोध प्रदर्शनों और जून के संघर्ष के जवाब में ईरान में 1988 के बाद मौत की सजा के मामलों में तेजी आई है। तब ईरान–इराक युद्ध के अंत में हजारों लोगों को फांसी दी गई थी।

हमास के साथ संघर्ष विराम पर गंभीरता से विचार कर रहा इस्राइल, ट्रंप ने दिया शांति प्रस्ताव

वॉशिंगटन। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने एक बयान में कहा है कि इस्राइल गाजा में संघर्ष विराम के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। नेतन्याहू का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात से एक दिन पहले सामने आया है। हालांकि नेतन्याहू ने ये भी कहा कि अभी प्रस्ताव पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है और अभी सिर्फ विचार चल रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

ड्रोन से बीच समुंदर उड़ाया जहाज, इजरायल का पाकिस्तान पर पहला तगड़ा हमला, भारत भी चौंक गया

पूरी दुनिया की नजरें एक बार फिर खाड़ी क्षेत्र पर आकर टिक गई है। यहां इस बार निशाने पर पाकिस्तान आया है। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच छिड़ी जंग के बीच अब इसकी जद में पाकिस्तान आ चुका है। इजरायल के ड्रोन हमले में पाकिस्तान के जहाज को बड़ा नुकसान हुआ है। इस बात की जानकारी खुद पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने दी है। मोहसिन नकवी ने बताया कि किस तरह से पाकिस्तानी जहाज को इजरायली ड्रोन ने निशाना बनाया है। मोहसिन नकवी ने इजरायल पर सनसनीखेज आरोप लगाए। उनका दावा है कि पाकिस्तान क्रूज से भरे एलपीजी टैंकर पर इजरायली ड्रोन ने जबरदस्त हमला किया है। पाकिस्तान के ये जहाज यमन के रास अल इशा पोर्ट पर खड़ा था। तभी इस पाकिस्तान जहाज पर इजरायली ड्रोन टूट पड़े। पाकिस्तान पर ये इजरायल का पहला और अनोखा हमला है। मजे की बात देखिए कि कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ एक डिफेंस डील की थी। जिसके तहत एक देश पर हमला दूसरे देश पर भी हमला माना जाएगा। लेकिन यहां पर इजरायल ने अपने हमले में एक ऐसा खेल कर दिया, जिसके बाद अब तो सऊदी अरब भी इजरायल के इस हमले की तारीफ करने पर मजबूर हो जाएगा। पाकिस्तान के जिस जहाज पर हमला हुआ है वो यमन के पोर्ट पर खड़ा था। इस जहाज पर 27 लोगों का दल सवार था। जिसमें से 24 पाकिस्तानी थे और दो श्रीलंकाई और एक नेपाल का नागरिक शामिल था। इजरायल ने हूति आतंकियों पर हमला करने के दौरान पाकिस्तान के इस जहाज पर भी ड्रोन अटैक कर दिया। इजरायल के इस हमले के बाद पाकिस्तान के जहाज में आग लग गई। हालांकि इस आग को बुझा दिया गया और पाकिस्तान ने बयान जारी किया कि हमारा जहाज अब सुरक्षित है और वो पाकिस्तान के लिए निकल चुका है। लेकिन पाकिस्तान के जहाज पर लिमिटेड स्ट्राइक करके इजरायल ने अपनी मंशा बता दी है। शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र में खड़े होकर गाजा की खूब तारीफ कर रहे थे। इजरायल को भला बुरा कर रहे थे। ऐसे में पाकिस्तान को इजरायल ने भी तोहफा दे दिया है। इजरायल ने जानबूझकर पाकिस्तान के उसी जहाज को निशाना बनाया जिसमें एलपीजी गैस भरी थी ताकी पाकिस्तान की ऊर्जा आपूर्ति पर ही हमला किया जाए। आपको याद होगा कि हाल ही में पाकिस्तान और सऊदी के बीच एक डिफेंस डील हुई थी। वही डील जिसमें हम पर हमला मतलब तुमपर हमला और तुमपर हमला मतलब हमपर हमला माना जाएगा। लेकिन इजरायली ड्रोन ने पाकिस्तानी जहाज को ऐसे जगह पर ठोका है जहां पर पहले से ही सऊदी अरब का दुश्मन बैठा है। इजरायल ने सऊदी अरब पर हमला करने वाले हूति विद्रोहियों को ठोका और उसी दौरान पाकिस्तानी जहाज को भी उड़ा दिया। ऐसे में अब सऊदी अरब किस मुंह से इजरायल की निंदा करेगा।

व्हाइट हाउस में सेल्समैन बनकर पहुंचे आसिम मुनीर, ट्रंप को बेचे 4 हजार करोड़ का 21वीं सदी का 'सोना'

ट्रंप जब से दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं। तभी से पाकिस्तान उन्हें रिझाने में लगा हुआ है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर हर वो पैंतरा आजमा रहे हैं जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को रिझाया जा सके। हाल ही में शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर अमेरिका पहुंचे थे और ट्रंप से मुलाकात भी की थी। हालांकि इस मुलाकात से पहले ही आसिम मुनीर और शहबाज की घनघोर बेइज्जती हो गई थी। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर से मुलाकात से पहले करीब आधा घंटे से ज्यादा एक कमरे में इंतजार करवाया। जब शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर कमरे में बैठकर ट्रंप का इंतजार कर रहे थे, उसी वक्त ट्रंप दूसरे कमरे में बैठकर गप्पे मार रहे थे। आसिम मुनीर और शहबाज ट्रंप से मुलाकात के दौरान एक तोहफा लेकर पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक दोनों ने रेयर अर्थ मैटेरियल लकड़ी के बक्से में रखकर ट्रंप को सौंपा था। जैसे ही ये तस्वीरें दुनिया के सामने आई। इसे लेकर कई तरह के दावे किए जाने लगे। बता दें कि ट्रंप को तोहफा वाला बॉक्स जब खोला गया तो उनमें से ऐसी चीजें निकली जिनकी कीमत और अहमियत दोनों ही बहुत बड़ी मानी जाती है। दरअसल, बॉक्स में बॉस्टेनजाइड और मोनाजाइड के टुकड़े थे। जिन्हें 21वीं सदी का सोना यानी रेयर अर्थ मिनिरल्स माना जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान के दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ मिनरल्स) पर बड़ी डील की है। लगभग 4 हजार करोड़ रुपए की इस डील के ब्रोकर पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर हैं। 25 सितंबर को मुनीर ने पाक पीएम शहबाज शरीफ के साथ वाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ मुलाकात की थी। अब वाइट हाउस ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर इस मुलाकात का पूरा फोटो एलबम जारी किया है। बताया जाता है कि आर्मी चीफ मुनीर की पाक सेना की कंपनी फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन (एफडब्ल्यूओ) ने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रेटेजिक मेटल्स को एक्सप्लोरेशन (खुदाई) के अधिकार सौंपे हैं। बलूचिस्तान में में अमेरिकी कंपनी इन दुर्लभखनिजों को निकालेगी। सूत्रों के अनुसार डील के 3 चरण हैं। पहला चरण 2025–2026 में होगा। इसमें पूरे बलूचिस्तान और खैबर के कुछ इलाकों में खुदाई का काम शुरू हो जाएगा और खनिजों का अमेरिका को एक्सपोर्ट किया जाएगा। पाक का अमेरिका झुकाव क्यों बलूच विद्रोही पाक के लिए बड़ा नासूर हैं। यहां पर निवेश करने से अमेरिका अपने प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए फोर्स तैनात कर सकता है। बलूच विद्रोहियों से वही निपटेगा।

बांग्लादेश के आदिवासी बहुल इलाके में क्यों फैली हिंसा ? झड़प-आगजनी में 3 मरे, सेना के जवान भी घायल

दक्षिण–पूर्वी बांग्लादेश के पहाड़ी इलाकों में एक आदिवासी लड़की के कथित सामूहिक बलात्कार को लेकर आदिवासियों और बंगाली समुदाय के बीच भड़की हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है, लेकिन उनकी पहचान नहीं बताई है, जबकि निवासियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों पक्ष हिंसक हो गए और ढाका से लगभग 270 किलोमीटर उत्तर–पूर्व

में मोटरवे पर स्थित खगराछारी पहाड़ी जिले में एक–दूसरे के व्यवसायों और घरों में आग लगा दी। सरकार ने एक बयान में कहा कि गृह मंत्रालय ने खगराछारी ज़िले के गुइमारा उपजिला में उपद्रवियों के हमले में तीन पहाड़ी लोगों की मौत और एक मेजर समेत 13 सैन्यकर्मियों, गुइमारा पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक समेत तीन पुलिसकर्मियों और कई अन्य के घायल होने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही जाँच के बाद इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

ढाका में हिंसा क्यों भड़की

भारत और म्यांमार की सीमा से लगे चटगाँव पर्वतीय क्षेत्र के तीन पहाड़ी जिलों में से एक, खगराछारी जिले में मंगलवार को आठवीं कक्षा की एक छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के बाद हिंसा भड़क उठी। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हिंसा में 13 सैन्यकर्मी और तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। हिंसा सबसे पहले खगराछारी जिला मुख्यालय में भड़की, जहां आदिवासी लोग, जिनमें से अधिकतर चकमा और मरमा जनजाति के हैं, ने शनिवार को जलते हुए टायर, पेड़ के तने और ईंटों से सड़क जाम कर दिया, जिसके बाद अधिकारियों ने आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया और रैलियां निकालीं।

गुइमारा इलाके में तीन मौतें

हालांकि, तीनों मौतें खगराछारी से 36 किलोमीटर दक्षिण में स्थित गुइमारा इलाके में हुईं, जहाँ पुलिस के साथ–साथ सैन्य और अर्धसैनिक बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों की गश्त के बावजूद हिंसा ज़िला मुख्यालय से आगे तक फैल गई। लड़की के साथ कथित तौर पर एक निजी ट्यूशन से लौटते समय सामूहिक बलात्कार किया गया और कथित तौर पर उसके माता–पिता और पड़ोसियों ने उसे आधी रात के आसपास शहर के एक सुनसान इलाके में बेहोशी की हालत में पाया। उसका एक स्थानीय अस्पताल में इलाज कराया गया, जबकि बाद में पुलिस ने सैन्य सहायता से एक बंगाली किशोर को गिरफ्तार किया। उस पर बलात्कारियों में से एक होने का संदेह है और अब अदालत के आदेश पर उसे छह दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

राजनीतिक संघर्ष के लिए तैयार हूं, पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने देश छोड़ने की अटकलों को किया खारिज

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन–यूएमएलके प्रमुख केपी शर्मा ओली ने उन अटकलों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने मौजूदा अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनकी सुरक्षा और सरकारी सुविधाओं को छीनने की कोशिश कर रही है। श्ढाका ट्रिब्यूनश अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ओली ने भक्त के गुंडु में पार्टी के संगठन श्युवा संघ नेपालश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह देश छोड़ने वाले नहीं हैं और राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने समर्थकों से पूछा, क्या आपको लगता है कि हम यह देश इस आधारहीन सरकार को सौंपकर भाग जाएंगे? ओली ने कहा कि उनका लक्ष्य देश में शांति, सुशासन और सांविधानिक व्यवस्था की बहाली करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओली ने हाल ही में नौ सितंबर को प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास बलुवातार खाली किया था। यह कदम तब उठाया गया, जब जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के कारण उनकी सरकार गिर गई। इसके बाद वह भक्तपुर के गुंडु में एक किराए के मकान पर रहने चले गए। प्रदर्शनकारियों ने उनका निजी आवास जला दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार जनता की इच्छा से नहीं, बल्कि तोड़फोड़ और आगजनी के जरिए सत्ता में आई है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी ओर से सरकारी अधिकारियों को कोई निर्देश दिए गए हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। ओली ने कहा, उन्हें हिम्मत से प्रकाशित करो। मेरे निर्देश सार्वजनिक करो। मेरे पास छिपाने जैसा कुछ नहीं है। ओली ने यह भी कहा कि उन्हें फिर से हमले होने का डर है। उन्होंने सरकार की आलोचना की कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रही है।

इजरायल की खैर नहीं, हूती लगा रहे हथियारों की फैक्ट्री, IDF की उड़ी नींद

यमन के हूती विद्रोहियों ने 22 सितंबर को इजरायल पर हमला करके सभी को चौंका दिया था। इस हमले में हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया था जो मल्टीपलवॉरहेड के साथ इजरायल पर बरसी। तस्वीरों में साफ नजर आया कि कैसे मिसाइलें अलग अलग हिस्सों में बंटकर हमला कर रही थी। इस दौरान इजरायल के कोने कोने में सायरन की तेज आवाजें सुनाई दे रही थी। नागरिक आनन फानन में शेल्टरों में भागते नजर आए। इस हमले में 2 लोग मारे गए और 48 लोग घायल हुए। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोही गाजा में फिलस्तीनियों के

साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए नियमित रूप से इजराइल पर ड्रोन और मिसाइलें दागते रहते हैं। हूती के हमले के बाद इजराइल ने जवाबी हमला किया। यमन के हूती–नियंत्रित उत्तरी हिस्से के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मृतकों में चार बच्चे, दो महिलाएं और तीन वृद्ध शामिल हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि घायलों में 59 बच्चे, 35 महिलाएं और 80 वृद्ध शामिल हैं। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है जिसने इजरायली सेना की नींद उड़ा दी है। खबर है कि यमन के हूती विद्रोही अब केवल छुपकर हमले नहीं कर रहे हैं बल्कि छुपकर हथियारों की फैक्ट्री खड़ी कर रहे हैं। लंबी रेंज की मिसाइलें और खतरनाक ड्रोन्स भी तैयार कर चुके हैं। हालिया हमलों ने इजरायल की चिंता बढ़ा दी है। इजरायल ने कुछ दिन पहले ऑपरेशन मूविंग पैकेज के तहत सना पर जबरदस्त स्ट्राइक की। इसमें 65 से ज्यादा बम गिराए गए और हूती कमांड सेंटर व हथियारों के गोदाम ध्वस्त किए गए। ये हमला हूतियों के हमलों के जवाब में किया गया था। इजराइली सेना ने कहा कि उसने यमन में हमले किए हैं, जिसमें दर्जनों विमानों ने हूती सैन्य कमान मुख्यालयों, सैन्य शिविरों और सुरक्षा एवं खुफिया सुविधाओं को निशाना बनाया। हूती प्रवक्ता उमर अल–बेखेती ने कहा कि इजराइली हमलों ने आवासीय इलाकों और बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि हूती विद्रोहियों की रक्षा प्रणालियों ने काफी हद तक हमले को विफल कर दिया। इजरायली खुफिया एजेंसियों को ये भी अंदेशा है हूती भी हमास की तरह बड़े पैमाने पर हमला करने की तैयारी कर रहे हैं। जैसा की 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुआ था।

इस योजना को तूफान अल अक्सा या जेरुशलम फ्लड कहा जा रहा है जिसमें हूती स्थानीय मिलेशिया को भर्ती कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर घुसपैठ की ट्रेनिंग दे रहे हैं। जानकार मानते हैं कि हूती की ताकत न केवल यमन और सऊदी अरब के लिए चुनौती है बल्कि पूरे क्षेत्रिए समीकरण के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है।

हूतियों की लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइलें, मल्टीपल वॉरहेड और ड्रोन हमले उनकी सैन्य क्षमका का प्रमाण है।

इसके पीछे ईरान जैसे बाहरी सहयोगियों का समर्थन भी है। अब इजरायल ने खतरे को देखते हुए यमन पर खुफिया जानकारी जुटाने वाले एक नए टास्क फोर्स का गठन किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।